हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 314 | बेमेतरा, मंगलवार 01 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय

पेंशन भुगतान के लिए बनेगा पेंशन फंड- मुख्यमंत्री साय

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित महानदी भवन मंत्रालय में सोमवार को साय कैबिनेट की बैठक हुई। जिसमें कई अहम फैसले लिए गए हैं। कृषक उन्नति योजना के तहत अब धान की बजाय दलहन, तिलहन, मक्का की फसल लगाने वाले किसानों को भी आदान सहायता राशि मिलेगी। विष्णुदेव साय के कैबिनेट में और क्या फैसले हुए विस्तार से जानिए मंत्रिपरिषद ने किसानों के हित में एक बड़ा फैसला लिया है। कृषक उन्नति योजना के प्रचलित निर्देशों को संशोधित करते हुए इसके दायरे को और विस्तृत कर दिया है। अब इस योजना का लाभ खरीफ 2025 में धान उत्पादक किसानों के साथ-साथ पंजीकृत धान फसल के स्थान पर अब दलहन, तिलहन, मक्का आदि की फसल लगाने वाले किसानों को भी मिलेगा। खरीफ 2024 में पंजीकृत कृषक जिन्होंने धान की फसल लगाई थी और समर्थन मूल्य पर धान बेचा था, उनके द्वारा खरीफ2025 में धान फसल के स्थान पर दलहन, तिलहन, मक्का आदि फसल की खेती की जाती है, तो उन्हें भी अब कृषक उन्नति योजना के तहत आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ सरकार के अधिकारी-कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए भविष्य में सेवानिवृत्ति के समय पेंशन भुगतान संबंधी दायित्वों के बेहतर वित्तीय प्रबंधन हेतु छत्तीसगढ़ पेंशन फंड के गठन तथा इसके प्रबंधन एवं विनियमन संबंधी विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के दीर्घकालिक आर्थिक विकास एवं राजकोषीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ ग्रोथ एंड स्टेबिलिटी फंड के गठन तथा इसके प्रबंधन एवं विनियमन संबंधी विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे राज्य के राजस्व में असामान्य वृद्धि/कमी का समुचित प्रबंधन एवं आर्थिक मंदी के समय वित्तीय सुरक्षा प्राप्त होगी। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य में लॉजिस्टिक सेक्टर के समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ राज्य लॉजिस्टिक पॉलिसी-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इस पॉलिसी से छत्तीसगढ़ राज्य लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित होगा तथा निर्यात अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी। राज्य की भौगोलिक स्थिति का लाभ लेते हुए लॉजिस्टिक सेक्टर तथा ई-कॉमर्स की राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को लॉजिस्टिक हब की स्थापना के लिए निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा। राज्य की भंडारण क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे प्रदेश के उद्योगों, व्यापारियों और किसानों को सस्ती भंडारण सुविधा मिलेगी। प्रदेश में लॉजिस्टिक में लगने वाले लागत कम होने से व्यापार, निवेश एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस नीति के माध्यम से ड्राई पोर्ट/इन्लैण्ड कंटेनर डिपो की स्थापना को प्रोत्साहित करने से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा स्थानीय उत्पादकों को निर्यात बाजारों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। राज्य के प्रचुर वन संसाधन, वनोपज एवं वनौषधि उत्पाद के निर्यात हेतु इको सिस्टम तैयार होगा। यह पॉलिसी राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी साथ ही राज्य को लॉजिस्टिक्स एवं निर्यात क्षेत्र में एक अग्रणी भूमिका में स्थापित करेगी।

मंत्रिपरिषद द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राज्य के कुछ कानूनों के प्रावधानों का गैर-अपराधीकरण करने के लिए छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जन विश्वास विधेयक से व्यवसाय व जीवनयापन में सहजता बढ़ेगी। अनावश्यक न्यायालयीन प्रकरणों और उनमें होने वाले व्यय में कमी आएगी। मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के विभिन्न विभागों/ निगम/ मण्डल/ कम्पनी/ बोर्ड के पूर्व निर्मित एवं जर्जर भवनों तथा इनके स्वामित्व की अनुपयोगी शासकीय भूमि के व्यवस्थित विकास और सदुपयोग के लिए रिडेव्हलपमेंट योजना अंतर्गत 7 योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इसमें शांति नगर रायपुर, बीटीआई शंकर नगर रायपुर, कैलाश नगर राजनांदगांव, चांदनी चौक फेस-2 जगदलपुर, सिविल लाइन कांकेर, क्लब पारा महासमुंद, कटघोरा कोरबा शामिल हैं। मंत्रिपरिषद द्वारा वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग के अंतर्गत उच्च श्रेणी पंजीयन लिपिक/रिकार्ड कीपर से तृतीय श्रेणी कार्यपालिक, उप पंजीयक के पद पर पदोन्नति के लिए विहित 05 वर्ष की न्यूनतम अर्हकारी सेवा को केवल एक बार के लिए न्यूनतम अर्हकारी सेवा 02 वर्ष निर्धारित करने का निर्णय लिया गया।

मुख्य सचिव अमिताभ जैन की सेवा में तीन महीने का विस्तार...

केंद्र के निर्णय ने आईएएस लॉबी को चौकाया

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्तमान मुख्य सचिव अमिताभ जैन की सेवाएं अगले तीन महीने तक के लिए बढ़ाने का फैसला किया है. उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने यह जानकारी दी. जैन 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले थे. भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1989 बैच के अधिकारी जैन को 30 नवंबर, 2020 को राज्य का 12वां मुख्य सचिव नियुक्त किया गया था.साव ने यहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि सरकार ने मुख्य सचिव की सेवा को तीन और महीने जारी रखने का फैसला किया है. उन्होंने कहा, ह्लसरकार के सामने यह विचाराधीन है कि अगला मुख्य सचिव कौन होगा. फ्लिहाल अमिताभ जैन को अगले तीन महीने तक मुख्य सचिव के पद पर बनाए रखने की सहमति दे दी गई है.ह्व राज्य के जनसंपर्क विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध परिचय के अनुसार, छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अमिताभ जैन का जन्म 21 जून 1965 को दुर्ग जिले में हुआ था और उनकी प्रारंभिक शिक्षा दल्ली राजहरा कस्बे में हुई. जैन ने अविभाजित मध्यप्रदेश में 11वीं बोर्ड परीक्षा में टॉप किया था. भोपाल से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करने के बाद जैन ने दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से एमटेक किया. जैन की पहली पोस्टिंग जून 1990 में अविभाजित मध्यप्रदेश के जबलपुर में असिस्टेंट कलेक्टर के पद पर हुई थी. नवंबर 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद जैन रायपुर और बिलासपुर जिले के जिलाधिकारी रहे. उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार में सचिव, प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव के रूप में विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के दायित्वों का निर्वहन किया.मुख्य सचिव से पहले जैन राजभवन, वित्त, वाणिज्य एवं उद्योग, लोक निर्माण, जनसंपर्क, आबकारी, वाणिज्यिक कर (जीएसटी), वन, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, गृह जेल, परिवहन, जल संसाधन विभागों में कार्य कर चुके हैं. भारत सरकार में करीब सात वर्ष के प्रतिनियुक्ति के दौरान जैन वाणिज्य मंत्रालय में निदेशक/संयुक्त सचिव भी रहे हैं. उन्होंने लंदन के भारतीय उच्चायोग में भी सेवाएं दी हैं. आईएएस की सर्विस में आने के बाद अमिताभ जैन की पहली पोस्टिंग अविभाजित मध्यप्रदेश के जबलपुर में सहायक कलेक्टर के रूप में हुई। अमिताभ जैन यहां 1 जून 1990 से 1 अगस्त 1991 तक पदस्थ रहे। दूसरी पोस्टिंग उनकी एसडीएम नीमच के रूप में एक अगस्त 1991 से 1 जुलाई 1993 तक रही। फ्रि वे छत्तीसगढ़ के सरगुजा में प्रोजेक्ट अधिकारी बनकर पदस्थ हुए।

आयुष मेडिकल एसोसिएशन जांजगीर चांपा का बैठक संपन्न

डॉ. सुरेन्द्र मिश्रा बने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष का दायित्व डॉ.रवि सराफएवं डॉ.सी. एस. चंद्रा, वहीं डॉ. एस.के.वीरानी को मिली सचिव का दायित्व

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

बीते जून 29 को होटल ड्रीम पॉइंट में आयुष मेडिकल एसोसिएशन जिला जांजगीर चांपा इकाई का बैठक संपन्न हुआ जिसमें संगठन का चुनाव एवं विभिन्न मुद्दों पर चर्चा तथा एन एच ए के पंजीयन में आ रही रही दिक्कतों पर चर्चा कर उन्हें वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. वाय.के.अग्रवाल एवं डॉ रवि सराफ ने सुझाव दिया और सभी चिकित्सक जिनका पंजीयन अभी तक नहीं मिल पाया है उन्हें प्रक्रिया को पूरा करने कहा गया साथ ही अपने अन्य अनुभव साझा किये। संगठन के चुनाव के पूर्व निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. वाय.के.अग्रवाल को विदाई डॉ.लक्ष्मीप्रियम स्वर्णकार एवं डॉ. जया वीरानी डॉ.आकांक्षा साहू डॉ.यादव ने दी तथा वर्तमान अध्यक्ष डॉ.सुरेन्द्र मिश्रा का स्वागत डॉ.अग्रवाल ,डॉ.वीरानी, डॉ.सी. एस.चंद्रा ने किया तथा सभी को शुभकामना प्रेषित की । नव नियुक्त पदाधिकारी और सदस्य गण- अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र मिश्रा, उपाध्यक्ष डॉ.रवि सराफ एवं डॉ.सी. एस. चंद्रा, सचिव डॉ. एस.के.वीरानी, सह सचिव डॉ.लक्ष्मीप्रियम स्वर्णकार एवं डॉ. जया वीरानी, मीडिया प्रभारी डॉ.लेखचंद साहू, कोषाध्यक्ष डॉ.चेतन देवांगन एवं डॉ.विकास राठौर, संगठन प्रभारी डॉ.अजय राठौर, डॉ.मधूलीका श्रीवास, डॉ.आकांक्षा साहू, डॉ.आर.के. चंद्रा (बिर्रा), डॉ.रवि श्रीवास को बनाया गया। इसी क्रम में संगठन को और अधिक मजबूत और अधिक से अधिक आयुष चिकित्सकों तक पहुंच बढ़ाने और सहयोग की भावना से प्रत्येक ब्लॉक में 2 चिकित्सकों को ज़िम्मेदारी दी गई है। नवागढ़ में डॉ.मनोहर आदिले, डॉ.योगेंद्र कुमार साहू, बम्हनीडीह में डॉ.सी. एस.चंद्रा, डॉ.आर.के. चंद्रा, बलौदा में डॉ.चेतन देवांगन डॉ.विकास राठौर, अकलतरा में डॉ.मंजू राठौर, पामगढ़ में डॉ.हेमंत कश्यप, जैजैपुर में डॉ.आर.के. चंद्रा, डॉ.अभिषेक कश्यप कार्यक्रम के अंत में नव नियुक्त अध्यक्ष डॉ.सुरेन्द्र मिश्रा ने इस आयोजन को सफल बनाने में परोक्ष अपरोक्ष रूप से जिन जिन का भी सहयोग रहा उन्हें साथ ही इस आयोजन के विशेष सूत्रधार मेकशाइन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड का सहयोग रहा और मीडिया के सहयोगी सभी को एसोसियेशन धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

भैयाथान ब्लॉक के सलका में कांग्रेस का हुंकार

खाद-बीज संकट पर गरजा जनसैलाब, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

सुरजपुर/सलका/मूक पत्रिका

जिले के जनपद पंचायत भैयाथान अंतर्गत विभाजित ब्लॉक सलका में आज कांग्रेस पार्टी ने किसानों के हक़ में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस के निर्देश और जिला कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार खाद-बीज की लगातार हो रही किल्लत और प्रशासन की उदासीनता के खिलाफ एकदिवसीय धरना-सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर धान खरीदी केंद्र सलका में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की गई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े की अगुवाई में दर्जनों जनप्रतिनिधियों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रदर्शन में किसानों की भारी भीड़ उमड़ी, जो वर्तमान सरकार की नीतियों और असंवेदनशीलता के खिलाफ आक्रोशित दिखाई दी। इस विरोध सभा में सुलोचनी पैकरा, मुकेश अग्रवाल, राजेंद्र प्रताप सिंह, सूरज गुप्ता, गोवर्धन सिंह, अर्जुन देवांगन, सोनू पांडे, शांतनु सिंह, लालजी राजवाड़े, अभिषेक श्रीवास्तव, विवेक दुबे, पार्थ सिंह, दिलीप जायसवाल, अक्तर खान, रामफल राजवाड़े, गोविंदा राजवाड़े, मनिहारी पैकरा, सुखसागर गुप्ता, राजकुमार राजवाड़े, नितेश सिंह, कौशलेंद्र सिंह, धर्मेंद्र ठाकुर, विनोद गुप्ता, रमेश चौधरी, सविता राजवाड़े, शिवशरण राजवाड़े, परवेश विश्वकर्मा, बिहारी जयसवाल, सीताराम राजवाड़े, जितेंद्र ठाकुर, राजकुमार सिंह, आयुष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में किसान और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार केवल आंकड़ों में खेती की बात करती है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि किसानों को खाद और बीज के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द राहत नहीं मिली, तो कांग्रेस गांव-गांव में संघर्ष करेगी और सरकार को जवाब देना पड़ेगा। कांग्रेस का स्पष्ट संदेश, किसान अब चुप नहीं बैठेगा, आंदोलन होगा और निर्णायक होगा।

झपटमारी के मामले में फरार आरोपी 02 महिला सहित 05 आरोपियों को पकड़ने में थाना बलौदा पुलिस को मिली सफलता...

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

आरोपीगणों से छिना हुआ चांदी का ब्रेसलेट एवं सोने की बाली किमती 8000/रू बरामद किया गया। आरोपियों द्वारा घटना घटित कर हो गया था फरार, जिसकी बलौदा पुलिस द्वारा की जा रही थी लगातार पातासाजी। गिरफ्तार आरोपी का नाम- 1. दिलीप कुर्रे उम्र 45 साल, 2. विक्रम कुर्रे उम्र 32 साल 3. शैलेन्द्र कुर्रे उम्र 19 साल, 4. सरस्वती कुर्रे उम्र 25 साल, 5. गंगोत्री कुर्रे उम्र 35 साल सभी निवासी ग्राम काठापाली थाना बलौदा जिला जांजगीर चांपा जानकारी के अनुसार प्रार्थी दीपक खुंटे निवासी भिलाई थाना बलौदा को आरोपियों के द्वारा दिनांक 18.08.24 को ग्राम काठापाली में रास्ता रोककर उसके जेब में रखे 10,000/ रु. एवं चांदी का हाथ में पहना ब्रेसलेट एवं कान के सोने के बाली को छीन कर भाग गया, पीछा करने बेल्ट, स्टम्प, डण्डा से मारपीट किये है, जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना बलौदा में अपराध क्रमांक 290/24 धारा 304(1),115(2),126(2),3,(5) भा.न्या.सं. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों द्वारा घटना घटित कर फरार था जिसकी लगातार पातासाजी की जा रही थी। पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय (ढ्ढक्क) के निर्देशन में आरोपियों की गांव में आने की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में आरोपीगण को सकुनत से पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पुछताछ करने जुर्म स्वीकार किये जाने से जिसके द्वारा छिने हुए चांदी का ब्रेसलेट एवं सोने की बाली किमती 8000/ रू को बरामद किया गया तथा नगदी रकम को खा पीकर खर्च करना बताये जाने से विधिवत आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

जनदर्शन में 91 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने बीते सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को आत्मीयता के साथ सुना एवं अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण कर आवेदक को सूचना देने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 91 आवेदन प्राप्त हुए। आज जनदर्शन में जिले के ग्राम पंचायत उदयभांठा निवासी पुष्पा दिनकर द्वारा ईलाज हेतु आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। उनकी स्थिति को समझते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग अधिकारी को जिला चिकित्सालय ले जाकर जांच कराने एवं आगे का उपचार निःशुल्क कराने निर्देश दिए। ब्लाक नवागढ़ के ग्राम पंचायत खैरताल के आवेदक ने आरटीई के तहत निजी स्कूल में अध्ययनरत अपनी पुत्री के साथ प्राचार्य द्वारा आर्थिक स्थिति को लेकर प्रताड़ित करने पर अन्यत्र स्कूल में स्थानांनतरण कराने हेतु आवेदन किया। जिस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को जांच करने एवं दोषी पाए जाने पर संबंधित संस्था के प्रचार्य पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। तहसील मुख्यालय सारागांव निवासी श्री दिलहरण पटेल द्वारा एक्सीडेंट के कारण छूटे हुए प्राईम वन वर्क में सेल्समेन की ड्यूटी को पुनः ज्वाईन कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने सहायक आयुक्त आबकारी को आवश्यक कार्यवाई करने के निर्देश दिए। तहसील मुख्यालय बलौदा निवासी कृष्ण कुमार सोनी द्वारा सीमांकन रिपोर्ट की पुनः जांच कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार बलौदा के आवश्यक जांच करने एवं कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आज जनदर्शन में आवास,

जिला अस्पताल में देर रात नर्सों से छेड़छाड़, CCTV कैमरे बंद, पुलिस सहायता बेअसर, आक्रोशित कर्मचारियों ने की कड़ी सुरक्षा की मांग

कांकेर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिला अस्पताल में छेड़छाड़ और अन्य आपराधिक घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी से कर्मचारियों में आक्रोश और भय का माहौल है. दो दिन पहले अस्पताल में एक यवक ने रात के वक्त नर्स से जबरदस्ती छेड़छाड़ करने की कोशिश की. गनीमत रही कि बाकी स्टाफ ने समय रहते मदद की, वरना बड़ा हादसा हो सकता था.इस घटना के बाद स्टाफ नर्सों और अन्य कर्मियों ने अस्पताल प्रबंधन पर सुरक्षा को लेकर लापरवाही का आरोप लगाया है. नर्सों का कहना है कि मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रबंधन की है, लेकिन यहां हालात भगवान भरोसे हैं.ष्टष्टञ्जङ्क बंद, पुलिस सहायता बेअसर अस्पताल में कई सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से बंद पड़े हैं. वहीं, अस्पताल परिसर में खोला गया पुलिस सहायता केंद्र भी नाम मात्र का साबित हो रहा है. पीड़ित नर्स की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया, लेकिन इससे कर्मचारियों की चिंता दूर नहीं हुई.सख्त सुरक्षा व्यवस्था की मांग- अस्पताल के स्टाफ का कहना है कि आए दिन मरीजों के परिजन और अन्य लोग दुर्व्यवहार करते हैं. ऐसी घटनाओं ने अस्पताल में काम कर रहे कर्मचारियों को मानसिक रूप से परेशान कर दिया है. सभी ने मांग की है कि अस्पताल में 24 घंटे सख्त सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाए और कड़े नियम बनाए जाएं, ताकि कर्मचारी सुरक्षित माहौल में मरीजों की सेवा कर सकें।

नशीली दवाओं की तस्करी करते युवक गिरफ्तार, NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज

कांकेर /मूक पत्रिका

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कांकेर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने नया बस स्टैंड कांकेर बाजार शेड से नशीली दवाओं की तस्करी करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से प्रतिबंधित टेबलेट और कफसीरप की बड़ी खेप बरामद की गई है। पुलिस को मिली मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना कांकेर के प्रभारी ने तत्काल एक टीम गठित की। टीम में प्रधान आरक्षक गीतेश्वर कुलदीप, आरक्षक शक्ति सिंह और आरक्षक शिव नेताम शामिल थे। टीम ने नया बस स्टैंड के बाजार शेड के पास घेराबंदी कर आरोपी को रंगे हाथ पकड़ा।आरोपी मोहम्मद नफीस पिता मोहम्मद कलाम (उम्र 25 वर्ष), निवासी निजाम नगर, हिन्दपीढ़ी, रांची (झारखंड) हाल मुकाम लट्टीपारा, कांकेर, के पास से पीले रंग के थैले में रखे हुए नशीले पदार्थ मिले, जिनमें शामिल हैं: पूछताछ में नफीस ने स्वीकार किया कि उसने यह नशीली दवाएं रांची के शाहबाज़ उर्फ आफताब से खरीदी थीं और उन्हें बिक्री के उद्देश्य से कांकेर लाया था। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान जब आरोपी से उक्त नशीली दवाओं के वैध दस्तावेज मांगे गए, तो वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद मौके पर पंचनामा तैयार कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर धारा 22 नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (ह्लष्ठक्क) एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 190/2025 दर्ज किया गया है। चूंकि यह अपराध अजमानतीय श्रेणी में आता है, इसलिए आरोपी को 29 जून 2025 को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेजा गया है।

चांपा, जांजगीर, सक्ती व बलौदा में फर्जी तरीके से संचालित कंप्यूटर सेंटरों की भरमार

- छात्रवृत्ति के नाम से विद्यार्थियों से ठगी, तो वहीं शासन प्रशासन के आंखों में झोंक रहे धूल, ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी हो रहे इनके शिकार

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति कल्याण विभाग के द्वारा 12 वीं के बाद किसी विश्वविद्यालय में रेगुलर पढ़ाई करने वालों विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जिसके लिए प्रत्येक महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में प्रत्येक कोर्स की शासन द्वारा निर्धारित सीट में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। लेकिन किसी कंप्यूटर सेंटर के विद्यार्थियों को किसी भी स्थिति में छात्रवृत्ति नहीं दी जा सकती यहां नियमों को ताक में रखते हुए इन फर्जी कंप्यूटर सेंटरों के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में रेगुलर प्रवेश दिखाया जाता है और निर्धारित सीट से कई गुना विद्यार्थियों को आदिम जाति कल्याण विभाग में सांठगांठ कर फर्जी तरीके से छात्रवृत्ति दिलाई जा रही है। जांजगीर चांपा में फर्जी तरीके निजी विश्वविद्यालय का इन्फोर्मेशन सेंटर का बोर्ड लगाकर शासन प्रशासन को आईना दिखाते हुए, उसकी आड़ में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लालच देकर फर्जी तरीके से एडमिशन कराया जा रहा है। जहां पढ़ाई नाममात्र का ही कराया जाता है, और इस तरह विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा साथ ही करोड़ों रुपए शासन को चपत भी लगाया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कई विश्वविद्यालय के दलाल क्षेत्र में सक्रिय हैं और वे इन संस्थाओं से विद्यार्थियों का प्रवेश लेकर विश्वविद्यालय को देने का काम करते हैं। जिसकी जांच कराए जाने की आवश्यकता है। इस संबंध बनाए गए निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के नियम में स्पष्ट कहा गया है कि निजी विश्वविद्यालय प्रदेश में कहीं भी अपना इन्फोर्मेशन सेंटर/स्टडी सेंटर नहीं संचालित कर सकेगी। इस संबंध में संबंधित विश्वविद्यालय से भी पता चला है कि चांपा, जांजगीर में उनका कोई भी इन्फोर्मेशन सेंटर नहीं है। इस तरह के फर्जी कंप्यूटर सेंटर चांपा के तहसील रोड, कॉलेज रोड सहित अन्य कई स्थानों पर अपना अड्डा जमाए हुए है इसके अलावा सक्ती में स्टेशन रोड, नवधा चौक, बाराद्वार रोड, बलौदा में व अन्य कई स्थानों पर इनका कंप्यूटर सेंटर संचालित है। इनके अलावा कई कॉमन सर्विस सेंटर वाले भी इस तरह की फर्जीवाड़ा में लगे हुए हैं जिस पर लगाम लगाने की आवश्यकता है। इस संबंध में कई शिक्षाविदों ने कहा कि विद्यार्थियों को सोच समझकर प्रतिष्ठित कंप्यूटर संस्थान में प्रवेश लेना चाहिए, केवल और केवल फर्जी छात्रवृत्ति के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। बल्कि ऐसे कंप्यूटर संस्थान के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जानी चाहिए जो शासन को करोड़ों रुपए चूना लगाते हुए अपना कमाई कर रहे हैं और विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

डॉक्टर्स डे पर अन्तर्राष्ट्रीय महिला पुरुस्कार से सम्मानित डा.क्रांति खूंटे ने चिकित्सको को शुभकामनाएं दी

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

अन्तर्राष्ट्रीय महिला पुरुस्कार से सम्मानित कसडोल निवासी डॉ. क्रांति खूंटे ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर विश्व के सभी चिकित्सको को अपनी शुभकामनाएं देते हुए हमारे प्रतिनिधि को एक विशेष भेट में बताया है कि डॉक्टर्स डे एक ऐसा दिन है जिसे व्यक्तिगत जीवन और समुदायों में चिकित्सकों के योगदान को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है । इस दिन को मनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली स्मृति की घटना के आधार पर तारीख हर देश में अलग-अलग होती है। कुछ देशों में इस दिन को छुट्टी के रूप में मनाया जाता है । हालाँकि इसे स्वास्थ्य सेवा उद्योग के रोगियों और लाभार्थियों द्वारा मनाया जाना चाहिए , लेकिन इसे आमतौर पर स्वास्थ्य सेवा संगठनों द्वारा मनाया जाता है। कर्मचारी डॉक्टरों के लिए दोपहर के भोजन का आयोजन करते हैं, जिसके दौरान चिकित्सकों को सम्मान के प्रतीक दिए जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, चिकित्सकों और उनके जीवनसाथी को एक कार्ड या लाल कार्नेशन भेजा जा सकता है, साथ ही मृतक चिकित्सकों की कब्रों पर एक फूल रखा जाता है । डा. क्रांति खूंटे ने आगे बताया है कि डॉक्टर्स डे का पहला उत्सव 28 मार्च, 1933 को विंडर, जॉर्जिया , संयुक्त राज्य अमेरिका में मनाया गया था। इस पहले पालन में चिकित्सकों और उनकी पत्नियों को कार्ड भेजना, डॉ. लॉन्ग सहित मृत डॉक्टरों की कब्रों पर फूल चढ़ाना और डॉ. और श्रीमती विलियम टी. रैंडोल्फ के घर में एक औपचारिक रात्रिभोज शामिल था। बैरो काउंटी एलायंस ने डॉक्टरों को श्रद्धांजलि देने के लिए श्रीमती बादाम के प्रस्ताव को अपनाने के बाद, यह योजना 1933 में बैरो काउंटी एलायंस की अध्यक्ष विंडर की श्रीमती ईआर हैरिस द्वारा जॉर्जिया स्टेट मेडिकल एलायंस को प्रस्तुत की गई थी। 10 मई, 1934 को, जॉर्जिया के ऑगस्टा में वार्षिक राज्य बैठक में प्रस्ताव को अपनाया गया था। तब से, डॉक्टर्स डे, दक्षिणी मेडिकल एसोसिएशन एलायंस का एक अभिन्न अंग और पर्याय बन गया है। उन्होंने आगे बताया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट और प्रतिनिधि सभा ने 101वीं संयुक्त राज्य कांग्रेस के दौरान एसजे आरईएस. 366 पारित किया , जिस पर राष्ट्रपति बुश ने 30 अक्टूबर, 1990 को हस्ताक्षर किए (पब्लिक लॉ 101-473 का निर्माण करते हुए), जिसमें डॉक्टर्स डे को 30 मार्च को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय अवकाश के रूप में नामित किया गया। डॉ. मैरियन मास ने डॉ. किम्बर्ली जैक्सन और डॉ. क्रिस्टीना लैंग के साथ मिलकर आधिकारिक तौर पर चिकित्सकों के दिन को चिकित्सकों के सप्ताह में बदलने के लिए आवेदन किया।

प्रदेश के कोने कोने से मतदान करने पहुँचे मतदाता , लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं ने किया मताधिकार का उपयोग

सतनामी समाज के प्रदेश पदाधिकारियों के चुनाव में भारी उत्साह

एल.एल. कोशले बने प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रदेश अध्यक्ष,शान्ति पूर्ण ढंग से हुआ मतदान

रायपुर /मूक पत्रिका

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज (पंजीयन क्रमांक 3933/2012) के प्रदेश प्रबंध कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का चुनाव 29 जून को राजधानी रायपुर के कालीबाड़ी बंगाली भवन में शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुआ। मतदान सुबह 8 बजे से प्रारंभ होकर शाम 4 बजे तक चला, जिसमें समाज के आजीवन व सामान्य सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।प्रदेश के कोने- कोने से पहुँचे लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के.एल. रवि ने जानकारी दी कि निर्वाचन पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न कराया गया। चुनाव प्रक्रिया में सहायक निर्वाचन अधिकारी एस.आर. बांधे, ओ.पी. कोसरिया तथा कार्यालय सहायक कृष्णा कुमार कोशले ने भी अहम भूमिका निभाई।

*मुख्य निर्वाचन अधिकारी के एल रवि ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में थे। एल.एल. कोशले (रायपुर) – चुनाव चिन्ह उगता सूरज, दयानंद कोसले (बलौदा बाजार) – पतंग छाप एवं विनोद भारती (रायपुर) – छाता छाप मैदान में थे। एल एल कोशले को 833 मत, दयानंद कोशले को 8 मत तथा विनोद भारती को 268 मत प्राप्त हुए। तीनों प्रत्याशियों में से एल.एल. कोशले ने सर्वाधिक मत प्राप्त कर विजय हासिल की और उन्हें समाज का नवीन प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया। उन्होंने बताया की तीन प्रदेश उपाध्यक्ष पदों के लिए निर्वाचन हुआ जिसमें चार उम्मीदवार मैदान में थे। डॉ. दिनेश लाल जांगड़े – टेलीफोन छाप, परमेश्वर प्रसाद सांडे (जांजगीर-चांपा) – झोपड़ी छाप, रेशम घृतलहरे (मोवा, रायपुर) – अलमारी छाप एवं सरजू प्रसाद घृतलहरे (पलारी) – ट्रैक्टर छाप मैदान में थे।डॉक्टर दिनेश जांगड़े को 873 मत, परमेश्वर सांडे को 416 मत, रेशम घृतलहरे को 784 मत एवम राजमहन्त पी एल कोसरिया को623 मत प्राप्त हुए। इस तरह चुनाव परिणाम के अनुसार डॉ. दिनेश लाल जांगड़े, रेशम घृतलहरे एवं सूरज प्रसाद घृतलहरे उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए।

महासचिव और प्रवक्ता के एक एक पद के लिए हुआ सीधा मुकाबला -महासचिव पद पर मोहन बंजारे (हरिनभट्ठा पलारी) – नलकूप छाप, ने रघुनाथ भारद्वाज (मांठ खरोरा रायपुर) – बैलगाड़ी छाप को हराकर जीत दर्ज की।

मोहन बंजारे को 853 मत एवं रघुनाथ भारद्वाज को 247 मत प्राप्त हुए।इसी प्रकार प्रवक्ता पद पर पी.एल. कोसरिया (पिथौरा, महासमुंद) – सिलाई मशीन छाप ने राकेश नारायण बंजारे (खरसिया, रायगढ़) – पंखा छाप को हराकर जीत दर्ज किया।राजमहन्त पी एल कोसरिया को 795 मत तथा राकेश नारायण बंजारे को 300 मत प्राप्त हुए।

निर्विरोध निर्वाचित हुए कई पदाधिकारी -कई पदों पर एकमात्र नामांकन होने से उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए।

महिला प्रदेश उपाध्यक्ष पद हेतु श्रीमती सुशीला सोनवानी,कोषाध्यक्ष पद हेतु श्यामजी टांडे,सहसचिव पद हेतु दिनेश बंजारे तथा मीडिया प्रभारी पद हेतु श्री लक्ष्मीकांत कोसरिया निर्विरोध निर्वाचित हुए।

कार्यकारिणी के 15 सदस्य भी निर्विरोध निर्वाचित -प्रदेश प्रबंध कार्यकारिणी के 15 सदस्य भी निर्विरोध चुने गए। जिसमें गणेश प्रसाद बघेल (बलौदा बाजार), गुलाब दास टंडन (सेरीखेड़ी रायपुर), डमरु मनहर (भुईगांव पामगढ़), नोहर सिंह धिरही (भिलाई), एस.आर. बंजारे (महासमुंद), भुवन दास जांगड़े (बेमेतरा), यादराम हिरवानी (बिलाईगढ़), विजय टंडन (कांपा रायपुर), विरेन्द्र अजगल्ले (मालखरौदा), श्याम लाल सितारे (आमगांव सक्ती), सत्येंद्र खुंटे (बिलासपुर), संतु बांधे (बस्तर) तथा महिला वर्ग से द्रौपदी जोशी, निशा ओग्रे और रजनी डांडे (रायपुर)शामिल हैं।

अंबिकापुर में भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा : आस्था और उत्साह का उत्सव

अंबिकापुर /मूक पत्रिका

शुक्रवार को अंबिकापुर शहर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा के रंग में रंग गया। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में यह पावन यात्रा तिवारी बिल्डिंग रोड स्थित जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर देर शाम दुर्गाबाड़ी पहुंची, जहां भगवान अगले नौ दिनों तक अपनी मौसी के घर प्रवास करेंगे। शहर में भक्ति, उत्साह और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला।

परंपरा और भक्ति का संगम-पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ज्येष्ठ पूर्णिमा पर विशेष स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ एकांतवास में चले जाते हैं। इस वर्ष बुधवार को भक्तों को प्रथम दर्शन दिए गए और गुरुवार को नेत्रोत्सव मनाया गया। शुक्रवार को शुभ मुहूर्त दोपहर 1:00 बजे रथ यात्रा शुरू हुई। उत्कल समाज और श्री जगन्नाथ मंदिर समिति द्वारा रथ की सजावट और अन्य तैयारियों को भव्य रूप दिया गया। पंडित रश्मिनंद पांडा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की, जिसमें डॉ. राजेंद्र नारायण परीडा और उनकी पत्नी श्रीमती डॉ. भावना परीडा ने भी हिस्सा लिया।

यात्रा मार्ग पर उत्साह का माहौल-रथ यात्रा जोड़ापीपल, चौपाटी, आकाशवाणी चौक, गांधी चौक, घड़ी चौक, ब्रह्म रोड, जयस्तंभ चौक और महामाया चौक से होते हुए देवीगंज रोड पहुंची। मार्ग पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, जो रथ खींचने और भगवान के दर्शन के लिए उत्साहित थे। मान्यता है कि रथ खींचने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। जगह-जगह पुष्प वर्षा, आरती और भक्तों के लिए शरबत, खिचड़ी, हलवा जैसे प्रसाद का वितरण किया गया, जिसने उत्सव को और भक्तिमय बनाया।

सामाजिक और राजनीतिक सहभागिता-यात्रा में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, महापौर मंजूषा भगत, पूर्व महापौर अजय तिर्की, ललन सिंह, जन्मेजय मिश्रा, बलराम दास सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल हुए। विश्व हिंदू परिषद, हिंदू महासभा और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष मनोज कंसारी ने बताया कि रथ खींचने की होड़ और भक्तों का उत्साह इस आयोजन की सफलता का प्रतीक था।

आगामी कार्यक्रम-नौ दिनों के प्रवास के बाद, दसवें दिन देवशयनी एकादशी पर भगवान जगन्नाथ बाहुड़ी यात्रा के साथ अपने धाम लौटेंगे। यह रथ यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को भी मजबूत करती है।

निष्कर्ष-अंबिकापुर की इस रथ यात्रा ने एक बार फिर साबित किया कि आस्था और परंपरा के इस संगम में शहरवासियों का उत्साह और भक्ति बेजोड़ है। यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी अंबिकापुर की पहचान को और सशक्त करता है।

इटावा की घटना के विरोध में यादव समाज ने सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन,कथावाचकों के साथ बर्बरता पर जताया गहरा रोष

कांकेर/मूक पत्रिका

उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में कथावाचक मुकुटमणि यादव और संत सिंह यादव के साथ कथित रूप से ब्राह्मण समाज के कुछ लोगों द्वारा की गई अमानवीय घटनाओं ने देशभर के यादव समाज को झकझोर कर रख दिया है। कांकेर जिला यादव समाज ने इस घटना पर गहरा आक्रोश जताते हुए जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि कथावाचन कर रहे यादव संतों के साथ मारपीट, उनकी चोटी जबरन काटना, ब्राह्मणी मूत्र से 'शुद्धिकरण' करना, आभूषण और पैसे लूटना जैसे कृत्य न केवल घृणास्पद और असंवैधानिक हैं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक और समानता आधारित मूल्यों पर सीधा प्रहार हैं।यादव समाज ने ज्ञापन में सवाल उठाया कि ÷क्या संविधान में प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और सम्मान के अधिकार सिर्फ कुछ वर्गों तक सीमित रह गए हैं?÷ यह घटना दर्शाती है कि आज भी कुछ वर्गों में जातिगत श्रेष्ठता की मानसिकता जीवित है, जो सामाजिक समरसता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रही है। ज्ञापन में केवल इटावा की ही नहीं, छत्तीसगढ़ की यामिनी साहू और मध्यप्रदेश की देविका पटेल जैसी कथावाचिकाओं के साथ हुई अपमानजनक घटनाओं को भी रेखांकित किया गया है। यादव समाज का कहना है कि यह सिलसिला केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक पूर्वग्रह का हिस्सा बन चुका है, जिसे समय रहते रोका जाना आवश्यक है।ज्ञापन में कहा गया कि यादव समाज स्वयं को भगवान श्रीकृष्ण का वंशज मानता है और कथावाचन उनकी आस्था का अभिन्न हिस्सा है। ऐसे में किसी भी जाति या समुदाय को यह अधिकार नहीं कि वह उनकी धार्मिक परंपरा को अपमानित करे या रोके। कांकेर यादव समाज ने राष्ट्रपति से मांग की है कि इस घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो, दोषियों को कठोर सजा दी जाए, और जातीय वैमनस्य फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

समाज ने यह भी कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं होती, तो आंदोलनात्मक कदम उठाने पर वे विवश होंगे। इटावा की यह घटना केवल एक समाज के अपमान की बात नहीं है, यह देश की सामाजिक संरचना में छिपे जातिगत असमानता के जड़ तक पहुंचने की आवश्यकता को उजागर करती है। अगर समय रहते ऐसे मामलों में सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह सामाजिक शांति और लोकतांत्रिक ढांचे के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

मामूली विवाद में हत्या की नियत से बोलेरो वाहन से कुचल कर हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रार्थी शंकर लाल यादव, निवासी वार्ड क्रमांक 13, साजा ने थाना साजा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीते रविवार के रात्रि करीबन 08 बजे वह व मृतक रतनू नेताम दोनो वार्ड नं. 13 साजा तालाब पचरी में शराब पीने बैठे थे कि उसी समय मालवेन्द्र बनर्जी पहुंचकर तुम लोग मेरे घर धान ओसाई का काम किए हो जिसका मजदुरी का पैसा को बार-बार मांगते हो और लोगो को बताकर मेरे बेईज्जती करते हो, मालवेन्द्र बनर्जी मजदूरी के पैसों की बात पर गाली-गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चला गया। थोड़ी देर बाद जब वे तीनों ङ्क शंकर, रतनू एवं नरेश निषाद ङ्क पैदल शराब पीने शराब भट्ठी की ओर जा रहे थे, तभी मालवेन्द्र बनर्जी ने अपने बोलेरो वाहन क्रमांक छ्व 25 2246 को तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए तीनों को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे शंकर लाल यादव रोड के दाहिने, नरेश निषाद बांया तरफ फेंका गये और रतनू नेताम रोड में गिर पड़ा, रतनू नेताम के ऊपर बोलेरो वाहन से दो-तीन बार आगे पीछे कर कुचल कर हत्या कर दी। तथा मौके से फरार हो गया। कि रिपोर्ट पर थाना साजा में आरोपी के विरूद्ध धारा 103 (1), 109 (1), बीएनएस, 183 मोटर व्हीकल एक्ट, अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह एवं एसडीओपी बेरला विनय कुमार के मार्गदर्शन में निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, थाना साजा प्रभारी उप निरीक्षक राकेश साहू व थाना स्टाफ द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। विवेचना के दौरान सफेद रंग का बोलेरो क्रमांक छ्व 25 2246 का चालक आरोपी मालवेन्द्र बनर्जी निवासी वार्ड नं. 13 साजा थाना साजा जिला बेमेतरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया।

सेवानिवृत्त हुए 25 शासकीय सेवकों को कलेक्टर ने प्रदाय किया पेंशन प्राधिकार पत्र

जगदलपुर/मूक पत्रिका

कलेक्टोरेट के आस्था कक्ष में बीते सोमवार को आयोजित समारोह के अवसर पर जून माह में सेवानिवृत्त हुए 25 शासकीय सेवकों को कलेक्टर हरिस एस ने पुष्पगुच्छ भेंट करने सहित शॉल-श्रीफल देकर सम्मानित किया और पेंशन प्राधिकार पत्र प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शासन की पहल से प्रत्येक माह सेवानिवृत्त हो रहे जिले के शासकीय सेवकों को उनकी शासकीय सेवा काल के अंतिम कार्य दिवस के समय पर ही पीपीओ जारी करने का सार्थक प्रयास लगातार किया जा रहा है। साथ ही सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को तत्काल जीपीएफ प्राधिकार पत्र भी प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर हरिस ने शासकीय सेवा के लिए शासन की ओर से धन्यवाद देते हुए कहा कि पेंशन के लिए किसी प्रकार की दिक्कत होने पर कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने पेंशन और अन्य स्वत्वों के भुगतान का समय पर निराकरण के लिए कोषालय और कोष-लेखा एवं पेंशन कार्यालय द्वारा कार्य करने के लिए बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे शासकीय सेवकों की स्वस्थ और सुखमय एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषालय अधिकारी संजय सोनवानी? ने बताया कि अप्रैल माह में सेवानिवृत्त 25 शासकीय सेवकों को पेंशन प्राधिकार पत्र जारी की गई है। वहीं 09 सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को जीपीएफ प्राधिकार पत्र प्रदान किया गया है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों ने भी अपने अनुभव को साझा कर शासन-प्रशासन के द्वारा सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लिए सम्मान कार्यक्रम आयोजन को सराहनीय पहल निरूपित करते हुए आभार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कोष-लेखा एवं पेंशन कार्यालय के डिप्टी डायरेक्टर भारती कोर्राम कश्यप तथा जिला कोषालय के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस विभाग से सेवानिवृत हुए पुलिस अधिकारी श्रीमती नीलमणी मिंज उप निरीक्ष को अति. पुलिस अधीक्षक समेत पुलिस परिवार ने दी विदाई

जगदलपुर/मूक पत्रिका

जिला बस्तर मे पदस्थ उप निरीक्षक श्रीमती नीलमणी मिंज के सेवानिवृत्त होने पर बीते सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग सहित अन्य पुलिस अधिकारि एवं कर्मचारियों द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस अधिकारी को उज्जवल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामना प्रेषित की गई। श्रीमती नीलमणी मिंज आरक्षक के पद पर भर्ती होकर समय समय पर पदोन्नत हुए, वर्तमान में उप निरीक्षक पद कार्यरत थे। इनके पूरे सेवाकाल के दौरान पुलिस विभाग के द्वारा समय समय पर इन्हें पुरुस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के द्वारा सॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सेवानिवृत होने वाले अधिकारी को सम्मानित किया गया। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय माहेश्वर नाग के साथ साथ रक्षित निरीक्षक अभिजीत भदौरिया सहित जिला बस्तर के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटीलेटर पर-आम आदमी पार्टी

■ छत्तीसगढ़ में बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था, मरीजों की जान तक की परवाह नहीं-आम आदमी पार्टी

रायपुर /मूक पत्रिका

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने प्रदेश की खस्ताहाल स्वास्थ्य व्यवस्था और भाजपा सरकार के आम जनता के स्वास्थ्य के प्रति गैरजिमेदार रवैये पर कहा है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था को चौपट कर दिया है। उनका कहना है कि प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल अंबेडकर अस्पताल में 80 करोड़ की मशीने ख़राब पड़ी हैं। दुर्घटनाओं में फ्रैक्चर, गंभीर चोटों और कैंसर के रोगियों को सर्जरी नहीं हो पा रही है। राज्य के जिलों में में खासकर ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा जिला अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव देखा जा रहा है। कई सरकारी अस्पतालों में स्थायी डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं,आवश्यक दवाएं एवं जीवनरक्षक औषधियों की समय पर आपूर्ति नहीं हो रही है। अस्पतालों की इमारतें जर्जर हो चुकी हैं और साफ-सफाई की व्यवस्था अत्यंत खराब है। आपातकालीन सेवाओं हेतु एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।जांच हेतु आवश्यक उपकरण जैसे ङ्क-ह्डु4, श्वष्टत्र, लैब टेस्ट की सुविधाएं अधिकतर जगहों पर नहीं हैं। गोपाल साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 10 मेडिकल कॉलेज हैं,सभी कॉलेजों में कॉलेज प्रोफेसर असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर सहित 642 पोस्ट रिक्त हैं।

राजधानी में मेकाहारा में लगभग 50 डॉक्टरों की पोस्ट खाली है। डीकेएस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल जो सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है वहां पर एक भी डॉक्टर रेगुलर नहीं और जितनी भी प्रकार की सेवाएं एम आर आई, सिटी स्कैन, सोनोग्राफी और ब्लड टेस्ट सहित अनेक सेवाएं आउटसोर्सिंग के माध्यम से किया जाता है, सवाल ये है कि जब राजधानी की ये स्थिति है तो राज्य में अन्य जगहों की क्या स्थिति होगी।

प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ बैठक संपन्न

सूरजपुर /मूक पत्रिका

प्रांत उपाध्यक्ष दिनेश सिंह एवं सरगुजा संभाग अध्यक्ष हजरत अली के नेतृत्व में पर्यटन स्थल केनापारा जयनगर में संभाग स्तरीय बैठक संपन्न हुआ। जिसमें एक ही पद पर दस वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण कर चुके शिक्षकों को कर्मोन्नति का लाभ मिले इस हेतु उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने पर सहमती बनी तथा प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ के प्रमुख मांग 1998 से जी.पी.एफ एवं पेंशन के संबंध में विस्तृत वार्तालाप किया गया। संघ के पदाधिकारी द्वारा हाल ही में पेंशन के संबंध में विधानसभा अध्यक्ष माननीय डॉ रमन सिंह एवं संघ प्रमुख पवन साय जी के साथ जो वार्तालाप हुआ था उसके संबंध में जानकरी दी गयी साथ ही भविष्य में प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ की संघर्ष हेतु रणनीति की जानकारी दी गई । संघ के पदाधिकारियों के द्वारा स्पष्ट किया गया कि रणनीति के तहत सभी मंत्रियों से मिला जा रहा है एवं केंद्र में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एवं प्रधानमंत्री से भेंट वार्ता हेतु रणनीति बनाई जा रही है। परंतु भविष्य में बृहद जमीनी आंदोलन करनी पड़ सकती है इसलिए सभी सदस्य मजबूती के साथ आंदोलन के लिए कमर कस लें। बैठक में सभी के द्वारा संकल्प लिया गया कि किसी भी आंदोलन में हम लोग सब एक साथ हैं और अपनी प्रमुख एक सूत्रीय मांग 1998 से जी.पी.एफ की गणना व पेंशन लेकर रहेंगे ।इसी के साथ सभा का समापन किया गया बैठक में लगभग 150 सदस्य उपस्थित थे जिसमें प्रमुख पदाधिकारी गुलाब देवांगन,उजित मानिकपुर, गौरी शर्मा,अशोक साहू , विजय यादव ,इंद्रबली कुशवाहा, सीमा गुप्ता द्विजेंद्र यादव, रविंद तिवारी साजिद खान, रेहाना सुल्तान ,समीना अंजुम अब्दुल करीम ,शिवनारायण, उषा जायसवाल ,नीला सोनवानी वर्मा दास सुदर्शन पैकरा, चंदन दत्ता आर पी सिंह ,आनंद ठाकुर, हृदय जायसवाल सभी ब्लॉक एवं जिला के पदाधिकारी एवं सदस्य गण उपस्थित थे।

जगदलपुर कांट्रैक्टर्स एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न, संगठन के लिए नया पैनल गठित

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बीते दिवस जगदलपुर कांट्रैक्टर्स एसोसिएशन के बैनर तले स्थानीय शासकीय ठेकेदारों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को और अधिक सशक्त बनाना तथा ठेकेदारों के हितों की रक्षा हेतु भावी रणनीति तय करना रहा। बैठक में सर्वसम्मति से एसोसिएशन के नये पैनल का गठन किया गया, जो इस प्रकार है:संरक्षक: अनिल बाफना, शंकर लाल गुप्ता अध्यक्ष: नवीन सिंह भदोरियाउपाध्यक्ष: सुमीत कुमार शुक्ला, अमन ठाकुरसचिव: जी.डी. अग्रवालसह-सचिव: सतीश रघुवंशी, सत्यव्रतकोषाध्यक्ष: प्रताप सिंह कुशवाहामीडिया प्रभारी: सुमित शुक्ला, नवीन रायबैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा निर्माण एजेंसियों और विभागों के बीच व्याप्त भ्रष्टाचार व प्रशासनिक विसंगतियों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। इस संबंध में भविष्य में एक सशक्त आंदोलन की रूपरेखा भी तैयार की गई। अध्यक्ष नवीन सिंह भदोरिया ने बताया कि विभागीय उदासीनता एवं अत्यधिक भुगतान विलंब के कारण ठेकेदारों की आर्थिक स्थिति अत्यंत गंभीर होती जा रही है। भुगतान नहीं होने से बाजार में कर्ज की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे ठेकेदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सभी ठेकेदारों से एकजुट होकर इस मुद्दे पर संगठित संघर्ष की अपील की। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने ठेकेदार हित में एसोसिएशन को एक मजबूत मंच बनाने तथा अनियमितताओं के खिलाफ एकजुट होकर आवाज़ बुलंद करने का संकल्प लिया।

न्योछवर के दम पे खेला गया है थोक में अटैचमेंट का खेल

कांकेर शिक्षा विभाग में संलग्नीकरण का खेल बच्चों के भविष्य पर मंडरा खतरा

कांकेर/मूक पत्रिका

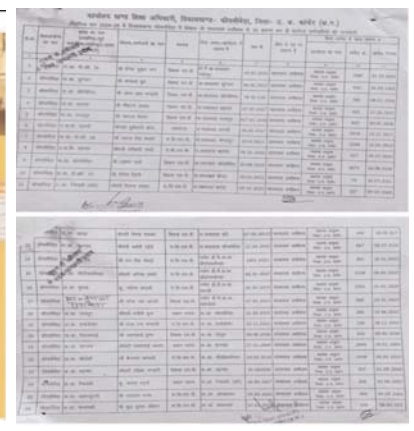

साल 2025 के शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ जहां एक ओर नवप्रवेशी छात्रों का शाला प्रवेश उत्सव मनाया जा रहा है, वहीं कांकेर जिले का शिक्षा विभाग एक और गंभीर विवाद में उलझ गया है। हाल में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए सरकार ने युक्तियुक्तकरण नीति अपनाई ताकि शिक्षकों की कमी दूर हो सके लेकिन उस फैसले ने स्कुल शिक्षा विभाग सहित सरकार की ऐसी दशा कर रखी है कि शिक्षक संघ विपक्ष लगातार विरोध जता रहे है ऐसे में शिक्षक और कर्मचारियों का संलग्नीकरण के मुद्दा भी शिक्षा विभाग के लिए नया सरदर्द बन संलग्नीकरण के खेल' ने शिक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। यह न केवल विभागीय लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य पर भी बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाता है।कांकेर जिले के सात विकासखंडों में चल रहे संलग्नीकरण (संलग्न पोस्टिंग) के मामले सूचना के अधिकार (ऋञ्जढ्ढ) के तहत आंकड़े सामने आए हैं। इनमें कोयलीबेडा विकासखंड सबसे अधिक 55 शिक्षकों के संलग्नीकरण के आंकड़ों के साथ सबसे ऊपर है, जबकि अन्य विकासखंडों में यह संख्या 2 से 9 के बीच है। यह स्पष्ट संकेत देता है कि कोयलीबेडा जैसे दूरस्थ नक्सल क्षेत्रों से शिक्षकों को निकालकर ब्लाक मुख्यालय या सुविधाजनक स्थानों पर वर्षों से अटैच रखा गया है। शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, यह सिलसिला नया नहीं है, लेकिन पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यकाल में संलग्नीकरण की रफ्तार में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। अपने नजदीकी लोगों, रिश्तेदारों और प्रभावशाली शिक्षकों को अंदरूनी इलाकों से निकालकर जिले के मुख्य स्थानों में 'फेविकोल की तरह चिपका दिया गया'। चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ जैसे ब्लॉकों के बीईओ (खंड शिक्षा अधिकारी) स्वीकार करते हैं कि संलग्नीकरण के अधिकांश आदेश पूर्व ष्ठश्वह्र के निर्देश पर हुए। वहीं कोयलीबेडा के बीईओ ने 55 शिक्षकों के संलग्नीकरण पर आज तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी यह मौन स्वीकृति या उच्चस्तरीप दबाव का संकेत भी हो सकता है।चारामा, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ जैसे ब्लॉकों के बीईओ (खंड शिक्षा अधिकारी) स्वीकार करते हैं कि संलग्नीकरण के अधिकांश आदेश पूर्व ष्ठश्वह्र के निर्देश पर हुए। वहीं कोयलीबेडा के बीईओ ने 55 शिक्षकों के संलग्नीकरण पर आज तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी यह मौन स्वीकृति या उच्चस्तरीय दबाव का संकेत भी हो सकता है।

बिना कलेक्टर अनुमोदन के आदेश जारी -RTI में एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई कि अधिकांश संलग्नीकरण आदेशों में जिला कलेक्टर की संस्तुति नहीं ली गई, जो नियमों के विरुद्ध है। जिला शिक्षा अधिकारी (ष्ठश्वह्र) ने सीधे अपने स्तर पर आदेश जारी कर दिए, जिससे शिक्षा विभाग के भीतर प्रशासनिक नियंत्रण की कमजोरी और मनमानी उजागर होती है।

जिला शिक्षा अधिकारी की सफाई -जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि ÷शिक्षक युक्तियुक्तकरण के तहत लगभग 75त्न संलग्नीकरण समाप्त कर दिया गया है, शेष को भी जल्द मूल संस्था में भेजा जाएगा।÷ उन्होंने यह भी कहा कि जो लिपिक और गैर-शिक्षकीय कर्मचारी अन्य कार्यों में संलग्न हैं, उन्हें भी सूचीबद्ध कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

शिक्षा विभाग में वर्षों से जड़ जमाए संलग्नीकरण नेक्सस की वजह से दूरस्थ और जरूरतमंद स्कूलों में शिक्षक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे गांवों के छात्र लगातार शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। सवाल यह भी है कि क्या जिला प्रशासन अब इस उजागर हुए संलग्नीकरण नेटवर्क को तोड़ेगा, या यह व्यवस्था ऐसे ही सुविधा और दबाव की राजनीति में उलझी रहेगी? जिले के शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व लाने के लिए यह जरूरी है कि ऐसे मामलों पर समय रहते कार्रवाई हो और बच्चों के भविष्य के साथ समझौता न किया जाए।

हम अपने सभी सुधि पाठकों इस बात से अवगत कराना चाहते है कि शिक्षा के पोल खोल अभियान में अपने अगले अंक में तमाम साक्ष्यों के साथ इस बात का भी खुलासा करेंगे की साल 2024 में प्रधान अध्यापकों पदोन्रित कैसे खेला गया खेल... क्यों शिक्षक काउंसलिंग में धांधली का लगाते रहे गए आरोप।

संपादकीय

गुजरात में आप के दांव से भाजपा सियासी सांसत में

गुजरात की विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार गोपाल इटालिया ने बीजेपी के उम्मीदवार किरीट पटेल को बड़े अंतर से हराया। चूंकि 2022 के चुनावों में आप ने यह सीट जीती थी। ऐसे में आप के सामने इस सीट को जहां बचाने की चुनौती थी, तो वहीं दिल्ली हार जाने के बाद प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई थी। इससे साफ हो गया कि दिल्ली विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी ने अच्छा कमबैक किया है।

खास बात यह है कि आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया ने कुछ राउंड को छोड़कर पूरे 21 राउंड की मतगणना में ज्यादातर समय बढ़त बनाए रखी। इटालिया ने बीजेपी के कैंडिडेट किरीट पटेल को 17,581 वोटों से शिकस्त दी। स्पष्ट है कि बीजेपी के गढ़ गुजरात में आप की जीत इसलिए बड़ी है क्योंकि आम आदमी पार्टी में दिल्ली की हार के बाद जबरदस्त निराशा थी।वैसे भी उपचुनावों में सत्तारूढ़ दल का पलड़ा भारी माना जाता है, लेकिन आप ने पुख्ता व्यूहरचना से विसावदर में बीजेपी को कमल खिलाने से रोक दिया। जबकि बीजेपी इस सीट पर 2007 से इस सीट पर पुनः जीत के लिए तरस रही है। इस बार के चुनाव में कुल 16 कैंडिडेट मैदान में थे। जिसमें गोपाल इटालिया आप 75,906 वोट पाकर जीत गए, जबकि किरीट पटेल बीजेपी 58325 वोट पाकर दूसरे स्थान पर और नितिन रणपारिया कांग्रेस 5491 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे।

राजनीतिक टिप्पणीकार बताते हैं कि आम आदमी पार्टी ने गुजरात में भी पंजाब वाल दांव खेला था। चूंकि दिल्ली चुनावों में हार के बाद आप ने विसावदर सीट पर चुनाव आयोग की घोषणा से पहले ही कैंडिडेट का ऐलान कर दिया था। जबकि बीजेपी में यहां कैंडिडेट को लेकर आखिर तक जद्दोजहद जारी रही। इससे आप कैंडिडेट को प्रचार का पूरा मौका मिला और परिणाम भी उनके पक्ष में आया।

वहीं, गुजरात की इस सीट को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी ने अपने बड़े चेहरे को मैदान में उतारा। पार्टी के प्रदेश प्रभारी गोपाल इटालिया इस क्षेत्र के निवासी नहीं होने के बाद भी पूरी विधानसभा में दो से तीन भ्रमण करके लोगों के बीच अपनी गहरी पैठ बना ली। ऐसे में उन्होंने लोगों को खुद से जोड़ लिया। जबकि बीजेपी सत्ता में होने के बाद भी अंत तक चुनाव प्रचार में पिछड़ी रही। यही वजह है कि गोपाल इटालिया के सामने किरीट पटेल हल्के साबित हुए।

आप के रणनीतिकारों ने बताया कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों में लोगों ने आप पर भरोसा किया था, लेकिन भूपत भायाणी के बीजेपी में जाने से आप के दावे को झटका लगा था। इसलिए गोपाल इटालिया के नामांकन में पहुंचे अरविंद केजरीवाल को इसका एहसास था, लिहाजा उन्होंने सार्वजनिक तौर पर ऐलान कर दिया कि अगर बीजेपी गोपाल इटालिया को खरीद लेगी तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

चुनाव विश्लेषक के मुताबिक, विसावदर में जब पिछली बार आप जीती थी तो गोपाल इटालिया प्रदेश प्रमुख थे। वह उस चुनाव में सूरत की कतारगाम से लड़े थे, लेकिन इस बार गोपाल इटालिया ने बतौर कैंडिडेट विसावदर पर फोकस किया। बतौर कैंडिडेट जबरदस्त होमवर्क किया और वे तमाम मुद्दे उठाए, जिन पर बीजेपी को घेरा जा सकता था।

जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और संभवत आगामी लगभग दो वर्षों के अंदर जर्मनी की अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है।

भारत आध्यात्म एवं युवाओं के बल पर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि कर सकता है

(प्रह्लाद सबनानी)

सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है।

जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और संभवत आगामी लगभग दो वर्षों के अंदर जर्मनी की अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 30.51 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 89,110 अमेरिकी डॉलर हैं। इसी प्रकार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 19.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 13,690 अमेरिकी डॉलर है और जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 55,910 अमेरिकी डॉलर है। यह तीनों देश सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में आज भारत से आगे हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रान्स के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है। ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है।

सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरुआत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में

परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है। अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। अतः भारत इस मामले में विश्व के विकसित देशों से बहुत अधिक पिछड़ गया है। परंतु, अब भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है तथा साथ ही अतिधनाडय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिससे अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे आने वाली समय में भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होगी।

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सेवा क्षेत्र इसकी सबसे बढ़ी ताकत है। अमेरिका में केवल 2 प्रतिशत आबादी ही कृषि क्षेत्र पर निर्भर है और अमेरिका की अधिकतम आबादी उच्च तकनीकी का उपयोग करती है जिसके कारण अमेरिका में उत्पादकता अपने उच्चत्तम स्तर पर है। अतः अमेरिका के नागरिकों ने बहुत तेजी से धन सम्पदा का संग्रहण किया है इसी के चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अमेरिका में बहुत अधिक है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वर्ष 1944 में अमेरिका के ब्रेटन वुड्ज नामक स्थान पर हुई एतिहासिक बैठक में विश्व के 44 देशों ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के नए ढांचे पर सहमति जताते हुए अपने देश की मुद्रा को अमेरिकी डॉलर से जोड़ दिया था। इसके बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर का दबदबा बना हुआ है। आज विश्व का लगभग 80 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग लेन देन अमेरिकी डॉलर में होता है। अमेरिका के बाद विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को पूरे विश्व का विनिर्माण केंद्र कहा जाता है क्योंकि आज पूरे विश्व के औद्योगिक उत्पादन का 31 प्रतिशत हिस्सा चीन में निर्मित होता है। चीन में पूरे विश्व की लगभग समस्त कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित की हुई हैं। चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण इकाईयों का योगदान 27 प्रतिशत से अधिक हैं। पूरे विश्व में आज उत्पादों के निर्यात के मामले में प्रथम स्थान पर है। विभिन्न उत्पादों का निर्यात चीन की आर्थिक शक्ति का प्रमुख आधार है। सस्ती श्रम लागत के चलते चीन में उत्पादित वस्तुओं की कुल लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम होती है। वर्ष 2024 में पेट्रोलीयम पदार्थों एवं रक्षा उत्पादों के निर्यात के मामले में अमेरिका आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने 2.08 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर का सामान अन्य देशों को निर्यात किया है, जो चीन के बाद विश्व के दूसरे स्थान पर है। तकनीकी वर्चस्व, बौद्धिक सम्पदा एवं प्रौद्योगिकी नवाचार ने अमेरिका को विकास के मामले में बहुत आगे पहुंचा दिया है। टेक्निकल नवाचार से जुड़ी विश्व की पांच शीर्ष कम्पनियों में से चार, यथा एप्पल, एनवीडिया, माक्रोसोफ्ट एवं अल्फाबेट, अमेरिका की कम्पनियां हैं। इन कम्पनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 12 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक है, जो विश्व के कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से बहुत अधिक है। चीन का कुल निर्यात 3.57 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का रहा है।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अर्थात जर्मनी ने पिछले एक वर्ष में 25,000 पेटेंट अर्जित किए हैं। जर्मनी को, ऑटोमोबाइल उद्योग ने, पूरे विश्व में एक नई पहचान दी है। चार पहिया वाहनों के उत्पादन एवं निर्यात के मामले में जर्मनी पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। जर्मनी में निर्मित चार पहिया वाहनों का 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात होता है। यूरोपीय यूनियन के देशों की सड़कों पर दौड़ने वाली हर तीसरी कार जर्मनी में निर्मित होती है। जर्मनी विश्व का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जिसने 2024 में 1.66 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर राशि के उत्पाद एवं सेवाओं का निर्यात किया था। मुख्य निर्यात वस्तुओं में मोटर वाहनों के अलावा मशीनरी, रसायन और इलेक्ट्रिक उत्पाद शामिल हैं।

आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजिन के रूप में कार्य कर सकता है। भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं, जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है। सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है परंतु, विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाने की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी 694 अरब अमेरिकी डॉलर की आंकड़े को पार कर गया है। आगे आने वाले समय में अब विश्वास किया जा सकता है कि भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होती हुई दिखाई देगी। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंकहै)

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

(उमेश चतुर्वेदी)

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी।

इसे संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है।

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवत- भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा।

किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों और केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के जरिए दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से किस तरह बदसलूकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा नजर आया। कन्नड़ ना बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करते नजर आए। सॉफ्टवेयर क्रांति का केंद्र बेंगलुरू में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को ऑटो और बाइक चालकों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा है।

आजादी के सतहत्तर साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ बदसलूकी होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है। राजभाषा विभाग ने बेशक सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया है, लेकिन हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में उसकी भूमिका कम ही दिखती है। बेशक राजभाषा विभाग के लिखित उद्देश्य में इसका जिक्र नहीं है। लेकिन राजभाषा विभाग को इस दिशा में भी काम करना होना। उसे सोचना होगा कि गैर हिंदीभाषी राज्यों के मन में हिंदी को लेकर जो गांठ बन रही है, उसे किस तरह दूर किया जा सकता है। राजभाषा विभाग को देखना होगा कि हिंदी के नजदीक दूसरे राज्यों के लोग कैसे आ सकते हैं।

अपनी प्रमुख पुस्तिका हिंद स्वराज में गांधीजी ने हिंदी को ही स्वाधीन भारत की भाषा माना था। उन्हें पता था कि तमिलनाडु जैसे गैर हिंदीभाषी राज्य इसका विरोध कर सकते हैं। इसलिए 1918 के इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन के दफ्तर में हिंदी के पांच सेवकों को दक्षिणी राज्य में प्रचार के लिए भेजा था, जिनमें एक उनके बेटे देवदास गांधी भी थे। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की। इसके बाद केरल हिंदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद जैसी कई संस्थाएं बनी और हिंदी को सहज स्वीकार्य बनाने की दिशा में काम करने लगीं। यह बिडंबना ही कहा जाएगा कि राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद का मुख्यालय महाराष्ट्र के वर्धा में है और महाराष्ट्र में ही हिंदी को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है।

राजभाषा विभाग के कई उद्देश्य हैं, जिनमें राज्य विशेष के उच्च न्यायालय की कार्यवाही में अंग्रेजी भाषा से भिन्न किसी अन्य भाषा का सीमित प्रयोग शुरू कराने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी पाना, केंद्रीय कर्मचारियों के लिए हिंदी शिक्षण योजना चलाना, जरूरी पत्र-पत्रिकाओं और संबंधित साहित्य का प्रकाशन आदि है। राजभाषा विभाग ने इन मोर्चों पर काम किया भी है। लेकिन राजभाषा विभाग को इससे इतर भी भूमिका तलाशनी होगी। केंद्रीय कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ ही आम लोगों की हिंदी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा को तोड़ने की दिशा में भी राजभाषा विभाग से प्रयास की उम्मीद की जाती है। चूंकि हिंदीप्रेमी अमित शाह गृहमंत्री हैं, लिहाजा राजभाषा विभाग को अपनी इस भूमिका के लिए शासन से जरूरी सहयोग मिल सकता है। अपनी पचासवीं सालगिरह पर राजभाषा विभाग को इस दिशा में सोचना होगा। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चार राज्यों के 5 विधानसभा सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनाव के मिले परिणामों के सियासी मायने

बिहार विधान सभा चुनावों से ठीक पहले देश के चार प्रमुख राज्यों- पंजाब, गुजरात, पश्चिम बंगाल व केरल के 5 सीटों पर हुए उपचुनाव के आए परिणामों में जहां आप व टीएमसी को खुशी मिली है, वहीं कांग्रेस-भाजपा को सुकून के साथ साथ रणनीतिक झटका भी लगा है, लेकिन माकपा को करारी मात मिली है। उपचुनाव परिणाम इस बात की चुगली करते हैं कि जहां आप को उम्मीदों के विपरीत पंजाब और गुजरात में एक-एक सीट पर जबर्दस्त पुनः वापसी जीत मिली है, वहीं केरल में कांग्रेस को एक सीट नई मिलने से वहां उसकी स्थिति मजबूत हुई है।

(कमलेश पांडे)

आपको पता होगा कि अगले साल पश्चिम बंगाल, गुजरात, केरल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होंगे। लिहाजा इससे पहले हुए इस उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने राहत की सांस ली है। क्योंकि आप ने पंजाब और गुजरात में पिछले चुनाव में जीती गई दोनों सीटों पर कब्जा बरकरार रखने में कामयाबी पाई है।

बिहार विधान सभा चुनावों से ठीक पहले देश के चार प्रमुख राज्यों- पंजाब, गुजरात, पश्चिम बंगाल व केरल के 5 सीटों पर हुए उपचुनाव के आए परिणामों में जहां आप व टीएमसी को खुशी मिली है, वहीं कांग्रेस-भाजपा को सुकून के साथ साथ रणनीतिक झटका भी लगा है, लेकिन माकपा को करारी मात मिली है। उपचुनाव परिणाम इस बात की चुगली करते हैं कि जहां आप को उम्मीदों के विपरीत पंजाब और गुजरात में एक-एक सीट पर जबर्दस्त पुनः वापसी जीत मिली है, वहीं केरल में कांग्रेस को एक सीट नई मिलने से वहां उसकी स्थिति मजबूत हुई है।

इधर, पश्चिम बंगाल में टीएमसी को भी एक जीती हुई सीट पुनः मिलने से जहां उसका सियासी दबदबा बरकरार है, वहीं गुजरात में बीजेपी को महज एक सीट पर जीत मिली, जो उसकी जीती हुई सीट है। लेकिन केंद्र व राज्य में भाजपा की सत्ता होने के बावजूद वह यहां की दूसरी सीट आप से झटक नहीं सकी, जिससे उसका कब्जा बरकरार रहा है। इससे साफ है कि गुजरात में कांग्रेस की जगह आप भी भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी बन सकती है।

देखा जाए तो केरल के नीलांबुर सीट को छोड़कर अन्य तीन राज्यों में कोई भी पार्टी एक-दूसरे से सीट नहीं छीन सकी है। कहने का तातपर्य यह कि जिसका पहले विधायक था, उसी के प्रत्याशी जीते हैं। गौरतलब है कि इन सभी राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होंगे। पंजाब के लुधियाना वेस्ट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने तमाम समीकरणों को दरकिनार करते हुए 10,637 वोटों से जीत दर्ज की है। वहीं, केरल में कांग्रेस ने लेफ्ट से नीलांबुर सीट छीन ली, जो उसके बढ़ते वर्चस्व का तकाजा है।

वहीं, पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट से तृणमूल कांग्रेस की अलिफा अहमद ने कब्जा किया है। वहीं, बीजेपी के खाते में गुजरात की कडी सीट आई। जहां से पार्टी के उम्मीदवार राजेंद्र कुमार चावड़ा उर्फ राजूभाई जीत गए। हालांकि, सूबाई सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा राज्य की दूसरी सीट

विसावदर को नहीं हथिया पाई। क्योंकि यहां पर आप के गोपाल इटालिया ने कब्जा किया। इसप्रकार इस उपचुनाव में जहां आप का स्कोर दो रहा, वहीं बीजेपी, कांग्रेस और टीएमसी का स्कोर एक-एक रहा। यह आप के लिए सुकून की बात है, जिसका सियासी ग्राफ दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद तेजी से गिरता जा रहा है।

वहीं, केरल में कांग्रेस की उम्मीद बढ़ने से सीपीएम को झटका लगा है। यह ठीक है कि कांग्रेस पंजाब और गुजरात के एक-एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही, जबकि बीजेपी पश्चिम बंगाल और गुजरात की विसावदर में दूसरे स्थान पर रही। वहीं, केरल में नीलांबुर सीट गंवाने वाली सीपीएम भी दूसरे स्थान पर यानी रनर अप रही। लिहाजा इस उपचुनाव के नतीजों ने जहां कांग्रेस को गुजरात में झटका दिया, वहीं केरल और पंजाब में कुछ उम्मीद लेकर आई है। बता दें कि केरल के नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार आर्यदान शौकत ने सीपीएम के एम स्वराज को लगभग 10,000 वोटों से हराया। यह क्षेत्र उसी वायनाड लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है, जहां से प्रियंका गांधी सांसद हैं। लिहाजा उनके लिए भी यह सुकून की बात है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने इस उपचुनाव को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नौ साल के शासन के खिलाफ जनादेश के रूप में पेश किया था। चूंकि साल 2026 में केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए यह रिजल्ट सीएम पिनाराई विजयन के लिए खतरे की घंटी की तरह है।

आपको पता होगा कि अगले साल पश्चिम बंगाल, गुजरात, केरल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होंगे। लिहाजा इससे पहले हुए इस उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने राहत की सांस ली है। क्योंकि आप ने पंजाब और गुजरात में पिछले चुनाव में जीती गई दोनों सीटों पर कब्जा बरकरार रखने में कामयाबी पाई है। जबकि उपचुनाव से पहले लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट को विपक्ष ने आप के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी। लेकिन कड़े मुकाबले में आप के संजीव अरोड़ा कांग्रेस के भारतभूषण आशु को हराया। हालांकि आप की इस जीत में बीजेपी का योगदान रहा, जिसके उम्मीदवार जीवन गुप्ता को 20323 वोट मिले।

वहीं, इस जीत के बाद अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा में जाने का रास्ता साफ हो गया है, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद से गायब थे। हालांकि उन्होंने घोषणा की है कि वो राज्यसभा नहीं जाएंगे। इसलिए समझा जा रहा है कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को वह राज्यसभा भेज सकते हैं। जैसा कि केजरीवाल ने कहा है कि इस बात का अंतिम फैसला पीएसी ही करेगी।

वहीं, पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट तृणमूल कांग्रेस के खाते में गई है, जहां पर बीजेपी के आशीष घोष टीएमसी कैंडिडेट अलीफा अहमद से करीब 50 हजार वोटों से हार गए। इस सीट पर कांग्रेस ने मुस्लिम कैंडिडेट कबीलुद्दीन शेख को उतारा था, लेकिन उन्हें 28251 वोट मिले और वह तीसरे पायदान पर रहे। इससे साफ है कि इस चुनाव में भी मुस्लिम वोटरों ने टीएमसी को लिए वोट किया। लिहाजा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इस रिजल्ट को वोटिंग पैटर्न का ट्रेलर माना जा रहा है। जानकार बताते हैं कि यदि यह पैटर्न दोहराया गया तो मुस्लिम वोट टीएमसी के खाते में रहेगी और चुनाव में उसका मुख्य मुकाबला बीजेपी से होगा। इसप्रकार से बंगाल में कमजोर हो रही कांग्रेस के लिए यह परिणाम खतरे की घंटी है।

वहीं, गुजरात में बीजेपी ने एक सीट जीती, जबकि दूसरे पर दूसरे स्थान पर यानी रनर अप रही। यहां आप विधायक गोपाल इटालिया की जीत से बीजेपी की टेंशन बढ़ सकती है, क्योंकि वह राज्य में पार्टी के प्रभारी हैं। यह जीत आम आदमी पार्टी के कैडर का हौसला भी बुलंद कर सकती है। इससे साफ है कि गुजरात में नुकसान कांग्रेस को हुआ है, जहां राहुल गांधी नए सिरे से पार्टी को संवारने में जुटे हैं। वहीं इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सिर्फ कडी विधानसभा सीट पर मुकाबले में आए, लेकिन 39452 वोटों के भारी अंतर से हार गए। समझा जाता है कि गुटबाजी और नेतृत्व की कमी से जूझ रही कांग्रेस 2026 के विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी को राहत दे सकती है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में विसावदर की सीट आप विधायक भूपत भयानी के इस्तीफे से खाली हुई थी, उस पर गोपाल इटालिया ने जीत हासिल की। इस जीत से आप ने साबित कर दिया कि वह गुजरात में कांग्रेस से ज्यादा बेहतर विपक्ष है।

खूब पढ़ें और आगे बढ़ें, सरकार आपके साथ है–मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने बौद्धिक भ्रमण पर आए सुकमा जिले के युवाओं से की आत्मीय मुलाकात

मुख्यमंत्री से मिलकर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं के खिले चेहरे

रायपुर /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीते सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में बौद्धिक भ्रमण पर आए सुकमा जिले के युवाओं से मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने युवाओं से उनका हाल-चाल जाना और राजधानी रायपुर में उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि वे खूब पढ़ें और आगे बढ़ें। छत्तीसगढ़ सरकार उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री से मिलकर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिले के युवाओं से आत्मीय चर्चा की। उन्होंने कहा कि नक्सली विकास विरोधी हैं। वे नहीं चाहते कि बस्तर के लोगों को पानी, बिजली, सड़क और विद्यालय जैसी बुनियादी सुविधाएं मिलें। सरकार की प्राथमिकता बस्तर का विकास है। बहुत जल्द बस्तर से नक्सलवाद खत्म होगा। मुख्यमंत्री ने बड़े प्रेम से प्रदेश के सुदूर क्षेत्र से आये इन युवाओं से बातचीत की और उनके बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने युवाओं से पूछा कि उन्हें रायपुर आकर कैसा लग रहा है ? जिसके जवाब में युवाओं ने बताया कि उनके दल के अधिकतर युवा पहली बार राजधानी रायपुर आये हैं। अधिकांश ने इस भ्रमण के दौरान पहली बार जगदलपुर को देखा। पहली बार अपने गांव से रायपुर आकर बहुत अच्छा लग रहा है। नई-नई चीजें देखने को मिल रही हैं। आज उन्हें मंत्रालय को देखने और यहां की कार्यप्रणाली समझने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से यह अनुभव आपके लिए लाभदायक रहेगा। इस भ्रमण का पूरा लाभ उठाएं और स्वयं को समृद्ध करें। मुख्यमंत्री साय ने सुकमा के युवाओं से विशेष रुप से उनकी शिक्षा के विषय में चर्चा की। विभिन्न आयुवर्ग के युवाओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे दसवीं, बारहवीं सहित कॉलेज तक में पढ़ रहे हैं। सहज सरल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से युवाओं ने खुलकर संवाद किया। इस दौरान एक छात्र ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह बीएससी के सेकेंड ईयर में पढ़ रहा है, वहीं एक छात्र ने स्वयं खड़े होकर मुख्यमंत्री को बताया कि वह भी बीए फाइनल का विद्यार्थी है। मुख्यमंत्री साय ने युवाओं की पढ़ाई के प्रति रुचि की सराहना की और इसी तरह पढ़ लिख कर आगे बढ़ने के लिए उनका हौसला बढ़ाया। उल्लेखनीय है कि स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत नियद नेल्लानार कार्यक्रम के तहत बस्तर संभाग के युवाओं का बौद्धिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में सुकमा जिले के 95 युवाओं को 2 दिवसीय भ्रमण पर राजधानी रायपुर आये हैं। इस दल में 77 बालक और 18 बालिकाएं शामिल हैं।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान: आदिवासी बाहुल्य 46 गांव में विशेष शिविर क़ा आयोजन

- **2 गांव योजनाओं से पूर्णत: संतृप्त,25 हजार से अधिक आदिवासी परिवार हुए लाभान्वित**

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

शासन की महत्वकांक्षी धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में जिले के आदिवासी बाहुल्य 46 गांव में विशेष शिविर का आयोजन 15 जून से किया जा रहा है।आदिवासी समाज के लोगों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित कर उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने का अत्यंत कारगर एवं अभिनव पहल साबित हुआ। शिविर ग्रामीणों एवं हितग्राहियों के लिए सौगातों भरा रहा है। 30 जून 2025 तक 2 गांव 9 योजनाओं से से पूर्णतः संतृप्त हुए वहीं विभिन्न योजनाओं के तहत 25109 जनजातीय परिवार के सदस्य लाभान्वित हुए। शिविर चयनित गांव में आगे भी जारी रहेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशेष शिविर में विकासखण्ड सिमगा के ग्राम ढाबाडीह एवं बरडीह (बिटकुली) के शतप्रतिशत आदिवासी परिवार के सदस्यों का आधार कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, राशन कार्ड, पीएम जनधन योजना, सिकल सेल जांच, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, पीएम सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड एवं मनरेगा जॉब कार्ड बनाए गए। दोनों गांव में आधार कार्ड 1031, राशन कार्ड 255, किसान क्रेडिट कार्ड 140, पी.एम जनधन योजना 573, सीकल सेल टेस्टिंग 1031, जाति, निवास प्रमाण पत्र 981, पी.एम. सम्मान निधि 140, आयुष्मान कार्ड 1031 एवं मनरेगा जॉब कार्ड 255 बनाए गए। विशेष शिविर के दौरान 46 गांव में जनजातिय परिवार के 15013 आधार कार्ड, 13685 आयुष्मान कार्ड 9489 राशन कार्ड, 9609 मनरेगा जॉब कार्ड 2006 किसान क्रेडिट कार्ड, 8259 पीएम जनधन, 1810 पीएम सम्मान निधि, 7930 लोगों का सिकल सेल जांच एवं 3154 जाति व निवास प्रमाण पत्र बनाए गए।

रायपुर में टीबी के खिलाफनई पहल : बीपालएम रेजिम से मरीजों को मिलेगा तेज और प्रभावी इलाज

दवा प्रतिरोधक टीबी मरीजों के लिए रायपुर में बीपालएम रेजिम की शुरुआत, अब इलाज मात्र 6 माह में संभव

रायपुर /मूक पत्रिका

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी के मार्गदर्शन एवं जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ. अविनाश चतुर्वेदी की उपस्थिति में नोडल डीआरटीबी सेंटर, मेकाहारा, रायपुर में दवा प्रतिरोधक टीबी के मरीजों के लिए नवीन बीपालएम रेजिम का शुरुआत शुरुआत किया गया. अब तक टीबी के दवा प्रतिरोधी मरीजों को 9 से 18 माह तक पांच से सात दवाएं प्रतिदिन लेनी पड़ती थीं। लेकिन बीपालएम रेजिम के तहत इलाज की अवधि केवल 6 माह रह गई है, और अब केवल 4 आधुनिक दवाओं से इलाज संभव होगा। इन दवाओं की अनुमानित लागत 1 लाख रुपये से अधिक है, जिसे सरकार की ओर से पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पहल राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी को जड़ से मिटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर डीआरटीबी वार्ड के समस्त अधिकारी, डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

अंबिकापुर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का भव्य आयोजनः हिन्दू महासभा ने पुष्पवर्षा व आरती के साथ किया स्वागत

अंबिकापुर/मूक पत्रिका

बीते रविवार को आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि के पावन अवसर पर देशभर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में भी यह उत्सव भक्ति, उत्साह और आस्था के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अखिल भारत हिन्दू महासभा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया। पुष्पवर्षा, आरती और भजन-कीर्तन के साथ शहर का माहौल भक्तिमय हो उठा।

भव्य रथ यात्रा का आयोजन-शुक्रवार को अंबिकापुर की धर्मनगरी महामाया में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आयोजन पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। रथ को सुंदर पुष्पों, झालरों और रंग-बिरंगे सजावटी सामानों से सजाया गया था। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा को रथ में विराजमान कर नगर भ्रमण के लिए ले जाया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु रथ यात्रा में शामिल हुए। रथ को खींचने और सड़कों की सफाई करने में श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा। भजन-कीर्तन की मधुर धुनों और ÷जय जगन्नाथ, जग के नाथ ङ्क जगन्नाथ÷ जैसे जयघोषों ने पूरे शहर को भक्ति के रंग में रंग दिया।

हिन्दू महासभा की सक्रिय भागीदारी-अखिल भारत हिन्दू महासभा ने इस रथ यात्रा को और भी भव्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह रथ का स्वागत किया। पुष्पवर्षा और आरती के साथ भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना की गई। हिन्दू महासभा के सरगुजा जिलाध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता ने कहा, ÷यह रथ यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक एकता और भक्ति का प्रतीक भी है। हम सभी ने मिलकर इस आयोजन को भव्य और यादगार बनाने का प्रयास किया।÷

शहर में भक्तिमय माहौल-रथ यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न चौक-चौराहों पर रथ का स्वागत करने के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं। रथ पर पुष्पवर्षा की गई और भक्तों ने आरती उतारकर भगवान की पूजा की। कई स्थानों पर स्वल्पाहार और जलपान की व्यवस्था भी की गई थी, जिसका लाभ श्रद्धालुओं ने उठाया। युवाओं का उत्साह इस आयोजन में विशेष रूप से देखने को मिला। भजन-कीर्तन की धुनों पर नाचते-गाते हुए युवा रथ के साथ आगे बढ़े, जिससे उत्सव का उत्साह और भी बढ़ गया।

सामाजिक संगठनों का योगदान-हिन्दू महासभा के साथ-साथ अन्य सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने भी इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई। पत्रकार संगठन, भारतीय शक्ति, शिव चर्चा, मानवाधिकार व एंटीकरप्शन संगठन और केसरवानी समाज की महिलाओं ने भारी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में अमित कुमार गुप्ता, उपेन्द्र गुप्ता, सत्येंद्र पाण्डेय, आदित्य गुप्ता, भगवती संतोष विश्वकर्मा, बलराम साहू, रविन्द्र सोनी, अनिकेत शाह, अतुल केशरी, विशाख नायर, निखिल सिंह, रानू गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, विवेक पाठक, शिवांशु पाठक, प्रियांशु चौबे, प्रकाश दास, नवीन तिर्की, डॉ. एस. के. शर्मा, दीपक दास और राजेश राम शामिल थे।

रथ यात्रा का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व-जगन्नाथ रथ यात्रा का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत गहरा है। यह उत्सव भगवान जगन्नाथ के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का प्रतीक है। अंबिकापुर में इस आयोजन ने न केवल धार्मिक एकता को दर्शाया, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा दिया। रथ यात्रा के दौरान विभिन्न समुदायों के लोग एकजुट होकर भक्ति के इस उत्सव में शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ में ओबीसी महासभा ने सौंपा व्यापक ज्ञापनः सामाजिक न्याय और समानुपातिक हिस्सेदारी की मांग

अंबिकापुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) महासभा ने अपने समुदाय के हितों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर सुनील कुमार नायक के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, महामहिम राज्यपाल, और माननीय मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित किया गया है। ओबीसी महासभा ने विगत कई वर्षों से हर माह ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को उठाया है, किंतु राष्ट्रीय जनगणना, 2 दिसंबर 2022 को पारित आरक्षण संशोधन विधेयक पर राज्यपाल के हस्ताक्षर जैसे ज्वलंत मुद्दे अभी तक अनसुलझे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम साहू के मार्गदर्शन और प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी परशुराम सोनी के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में ओबीसी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक, और शैक्षणिक उत्थान के लिए 23 बिंदुओं पर जोर दिया गया है। इस अवसर पर प्रदेश सचिव सुभाष गुप्ता, संभाग मीडिया प्रभारी आदित्य गुप्ता, रघु सोनी, युगल किशोर, संतोष विश्वकर्मा, इंदु कश्यप, मालती यादव, रश्मि सोनी, और रूप नारायण दास सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ज्ञापन में उठाए गए प्रमुख बिंदुः

1ः-राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी की गणनाः ओबीसी महासभा ने मांग की है कि लंबित राष्ट्रीय जनगणना शीघ्र आयोजित की जाए, जिसमें ओबीसी समुदाय की जनसंख्या का स्पष्ट आंकड़ा शामिल हो। छत्तीसगढ़ में ओबीसी समुदाय की जनसंख्या 52त्न होने का अनुमान है, और आधिकारिक आंकड़ों के अभाव में उनकी समानुपातिक हिस्सेदारी प्रभावित हो रही है।

2ः-समानुपातिक आरक्षणः ओबीसी समुदाय को उनकी जनसंख्या के अनुपात में कार्यपालिका, न्यायपालिका, विधायिका, मीडिया, और सार्वजनिक व निजी क्षेत्रों में आरक्षण प्रदान करने की मांग की गई है। यह सामाजिक न्याय और समतामूलक समाज की स्थापना के लिए आवश्यक कदम है।

3ः-क्रीमीलेयर और 50त्न कैपिंग की समाप्तिः क्रीमीलेयर की अवधारणा को परिवार और समाज के लिए विघटनकारी बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग की गई है। साथ ही, आरक्षण पर 50त्न की सीमा को असंवैधानिक करार देते हुए इसे हटाने का अनुरोध किया गया है।

4ः-27त्न ओबीसी आरक्षण और बैकलॉग नियुक्तियाँः छत्तीसगढ़ में 27त्न ओबीसी आरक्षण को तत्काल लागू करने और पिछले 32 वर्षों के बैकलॉग नियुक्तियों को भरने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त, 2 दिसंबर 2022 को पारित आरक्षण संशोधन विधेयक पर महामहिम राज्यपाल के हस्ताक्षर के लिए शासन से त्वरित कार्रवाई का अनुरोध किया गया है।

5ः-मंडल कमीशन की अनुशंसाएँः मंडल कमीशन की सभी सिफारिशों को पूर्ण रूप से लागू करने की मांग की गई है, जो ओबीसी समुदाय के लिए ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है।

6ः-संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करनाः 27त्न ओबीसी आरक्षण को देश के सभी राज्यों में समान रूप से लागू करने और भारत सरकार द्वारा अध्यादेश पारित कर इसे संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की गई है।

7ः-छात्रावासों का प्रावधानः छत्तीसगढ़ के सभी तहसील मुख्यालयों में ओबीसी के लिए सर्वसुविधायुक्त पोस्ट-मैट्रिक और प्री-मैट्रिक छात्रावास स्थापित करने की मांग की गई है।

8ः-स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करनाः कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ में स्वामीनाथन आयोग की सभी सिफारिशों को लागू करने की मांग की गई है, ताकि किसानों को उचित समर्थन मिल सके।

9ः-बैकलॉग नियुक्तियाँः केंद्र और राज्य की शासकीय संस्थाओं में रिक्त पदों पर बैकलॉग नियुक्तियाँ प्रदान करने की मांग की गई है, जिससे ओबीसी समुदाय के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें।

10ः-शिक्षा युक्तियुक्तीकरण का निरस्तीकरणः हाल ही में शिक्षा विभाग द्वारा किए गए स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तीकरण को शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला बताते हुए इसे निरस्त करने की मांग की गई है।

11ः-छात्रवृत्ति में समानताः ओबीसी समुदाय के लिए प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति में विसंगतियों को दूर कर अनुसूचित जाति और जनजाति की भांति समान शर्तों और दरों पर छात्रवृत्ति प्रदान करने की मांग की गई है।

12ः-कृषि संकाय की अनिवार्यताः छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में कृषि संकाय को अनिवार्य रूप से संचालित करने की मांग की गई है।

13ः-ओबीसी प्रमाण पत्र प्रक्रिया का सरलीकरणः सामाजिक प्रास्थितिक (ओबीसी) प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल करने की मांग की गई है।

14ः-बजट में समानुपातिक प्रावधानः ओबीसी के समग्र विकास के लिए राज्य के बजट में आरक्षण के अनुपात में प्रावधान करने की मांग की गई है।

औचक निरीक्षण में दिखा प्रशासनिक एकजुटता का परिचयः बेमेतरा के विकास हेतु कलेक्टर ने स्वीकृत किए 1.80 करोड़

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा नगर में कलेक्टर रणवीर शर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य नगर की समस्याओं का जमीनी स्तर पर आकलन कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना था। निरीक्षण के दौरान प्रमुख रूप से बस स्टैंड की गंदगी और अव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया गया। कलेक्टर ने स्थिति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। वहीं पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कलेक्टर को बताया कि नगर की व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए प्रशासन का सहयोग आवश्यक है। पालिका अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि अव्यवस्थित दुकानों को सुनियोजित ढंग से व्यवस्थापन के तहत लाया जाए, जिस पर कलेक्टर ने सहमति जताते हुए संबंधित विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके पश्चात दोनों अधिकारी मोहभट्ठा उद्यान पहुंचे और वहां की पेयजल, बैठने की सुविधा और हरित संरक्षण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पौधों को किसी प्रकार की क्षति न हो और सफाई एवं नागरिक सुविधाओं में कोई कमी न रहे। नगर सौंदर्यीकरण एवं विकास को लेकर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने राशि की मांग रखी, जिस पर कलेक्टर रणवीर शर्मा ने तत्परता दिखाते हुए 1.80 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। यह राशि नगर विकास, सौंदर्यीकरण और व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण में व्यय की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर की सड़कों, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थलों का भी दौरा किया और नागरिक सुविधाओं जैसे सफाई, पेयजल, रोशनी आदि की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर व पालिका अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और नागरिकों के अनुकूल बनाया जाए। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील है और उनका समाधान प्रशासनिक सहयोग से प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

IIT चयन, सायकल वितरण, वृक्षारोपण से लेकर सम्मान समारोह तक..गुरु खुशवंत साहेब की गरिमामयी मौजूदगी में सफल आयोजन

गांवों में प्रतिभा की कमी नहीं – अमोदी में बोले कैबिनेट मंत्री दर्जा गुरु खुशवंत साहेब

एक पेड़ मां के नाम अभियान में गुरु खुशवंत साहेब ने किया वृक्षारोपण

टैलेंट को सलाम -गुरु साहेब ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित, दिव्यांगों को बांटे सहायक किट

आरंग/अमोदी /मूक पत्रिका

विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन ग्राम अमोदी स्थित शासकीय विद्यालय प्रांगण में गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब थे।गुरु साहेब ने इस अवसर पर बोर्ड परीक्षा में विशेष स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान व होनहार छात्रङ्कछात्राओं को प्रस्तति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही, निःशुल्क सायकल वितरण कर छात्राओं को प्रोत्साहित किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। गुरु साहेब ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि ङ्क गांवों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती, आवश्यकता है तो उन्हें अवसर और प्रोत्साहन देने की। शिक्षा ही जीवन को दिशा देती है और सामाजिक परिवर्तन का सबसे मजबूत माध्यम है।÷ कार्यक्रम में ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत गुरु साहेब जी ने वृक्षारोपण किया तथा उपस्थित जनसमुदाय से पर्यावरण सरंक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया। विशेष रूप से ग्राम चिखली निवासी संजय बंजारे, जिन्होंने ढ्ढढ्ढञ्ज में 1907वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया,उन्हें मंच से सम्मानित कर आशीर्वाद प्रदान किया साथ ही दिव्यांग विद्यार्थियों को सहायक किट वितरित किया गया। कार्यक्रम में गणवेश, पुस्तकें एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री का भी वितरण किया गया। इस गरिमामयी समारोह में जिला पंचायत सभापति गुरु सौरभ साहेब,मंडल अध्यक्ष देवनाथ साहू ,आरंग जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती टाकेश्वरी मुरली साहू,जनपद उपाध्यक्ष रविन्द्र रिंकू चंद्राकर,साथ ही शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारीगण, जनप्रतिनिधि,भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, पालकगण, छात्र-छात्राएं एवं क्षेत्र ग्रामवासीगण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम बड़े तुमनार में जन-जागरूकता एवं संतृप्ति शिविर का हुआ संपन्न

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत 15 जून से 30 जून 2025 तक जिले के ग्राम पंचायत स्तर पर चलाए जा रहे जन-जागरूकता एवं संतृप्ति शिविरों की श्रृंखला में आज द 30 जून को विकासखंड गीदम के ग्राम पंचायत बड़े तुमनार में शिविर संपन्न हुआ।

इस विशेष शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना था। शिविर के माध्यम से आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, वृद्धा एवं दिव्यांग पेंशन योजना तथा जनधन खाता बीमा योजना जैसे सेवाएं उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक चैतराम अटामी,जनपद सदस्य श्रीमती सुभद्रा क्षत्रिय, ग्राम पंचायत बड़े तुमनार एवं आसपास की पंचायतों के सरपंचगण, जनपद सदस्यगण, जनपद पंचायत गीदम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बलराम ध्रुव, मंडल संयोजक रविन्द्र टिकम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। शिविर में ग्रामीणों की भारी उपस्थिति देखी गई। सैकड़ों की संख्या में हितग्राहियों ने विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन किया तथा मौके पर ही कई लाभ भी प्रदान किए गए। विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि ÷हमारे आदिवासी अंचलों में जब तक अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं पहुँचता, तब तक विकास अधूरा है। धरती आबा उत्कर्ष योजना और प्रधानमंत्री ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर पात्र हितग्राही को उसका अधिकार मिले। चाहे वह आयुष्मान कार्ड हो या पीएम किसान योजना, अब हर जरूरतमंद को लाभ मिलना चाहिए। इस शिविर में वृक्षारोपण अभियान के तहत जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया।

01वर्ष में भी नहीं बना आंगनबाड़ी भवन, किराये मकान में संचालित हो रहा आंगनबाड़ी

- ठेकेदार द्वारा अधूरा निर्माण कर छोड़ दिया गया है

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत समलूर के कबाड़ी पारा में ग्राम पंचायत द्वारा आंगनबाड़ी भवन बनवाया जा रहा है जो 01 वर्ष बीत जाने के बाद भी आधा अधूरा हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि कई वर्षो से किराए के मकान पर ही आंगनबाड़ी भवन संचालन हो रहा है पिछले साल आपने खबर लगाया था तब जाकर कही आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य चालू हुआ था,अब आधा अधूरा भवन को छोड़कर ठेकेदार ने निर्माण कार्य बंद कर दिया है पता नहीं कब तलक आंगनबाड़ी भवन बनकर तैयार होगा। सरकार कोई भी हो ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्य हमेशा आधा अधूरा ही दिखता है देखना होगा कि कब तलक इस गंभीर समस्या की ओर जिला प्रशासन ध्यान केंद्रित करता है।

युवक एवं युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

दंतेवाड़ा से लगे पॉतररास में एक युवक लालबाबू उम्र लगभग 28 वर्ष जो पेशे से ड्राइवर का काम करता था और बिहार का रहने वाला था रात्रि में गमछे से आत्महत्या कर लिया था। वहीं दूसरी घटना दंतेवाड़ा से 05 किलोमीटर दूर कुम्हारास के कड़ती पारा में 23 वर्षीया युवती श्यामवती कडती पिता चमरूराम कड़ती ने अज्ञात कारणों के चलते कल रात में अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बताया जा रहा है कि युवती रोजी मजदूरी का काम करती थी,कल शाम को काम से आने के बाद सो गई थीं देर रात युवती ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। दंतेवाडा पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्डम बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले की विवेचना जारी है।

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारी हेतु मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

बीजापुर/मूक पत्रिका

आगामी मानसून के मद्देनजर बाढ़ आपदा से निपटने हेतु बीजापुर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा और बचाव की तैयारियों को परखने के लिए एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास 30 जून को दुगोली तालाब में किया गया, जिसमें जवानों द्वारा बाढ़ बचाव सामग्री और मोटर बोट का परीक्षण किया गया।इस मॉक ड्रिल में डिप्टी कलेक्टर दिलीप उईके, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं सुरक्षा बलों के जवानों ने भाग लिया। सभी ने आपदा की स्थिति में राहत व बचाव कार्यों को किस प्रकार प्रभावी ढंग से अंजाम दिया जाए, इसका अभ्यास किया।इस पूरे आयोजन को कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में सम्पन्न किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी आपदा की स्थिति में तत्परता, समन्वय और दक्षता के साथ कार्य किया जाए, जिससे आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रशासन की यह पहल बाढ़ आपदा के प्रति सजगता और तत्परता का स्पष्ट प्रमाण है।

जनदर्शन में समस्या को लेकर ग्रामीणों की उमड़ी भीड़

कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्या

नारायणपुर/मूक पत्रिका

बीते रविवार को कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवो से पहुंचे लोगों से मुलाकात किया। उन्होंने मुलाकात कर उनकी मांगो एवं समस्याओं और शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण कराने भरोसा दिलाया एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आज जनदर्शन में संध्या कश्यप मुरियापारा द्वारा सेवा में उपस्थिति कराने, महिला मंडल गायत्री शक्तिपीठ गायत्री शक्तिपीठ में महिलाओं के शौचालय और स्नानघर निर्माण, बलदाय बडडे ग्राम कुकड़ाझोर द्वारा पेंशन की राशि प्रदाय किये जाने, सरपंच एवं अन्य ग्राम पंचायत सुलेंगा धौड़ाई द्वारा ग्राम पंचायत सुलेंगा धौड़ाई में हाईस्कुल नवीन भवन स्वीकृत एवं सुलेंगा धौड़ाई में बाजार शेड, रोड निर्माण हेतु, तिलक बाई ग्राम धौड़ाई द्वारा जमीन विवाद निराकरण हेतु, समस्त मजदूर ग्राम सूपगांव द्वारा मजदूरी भुगतान राशि दिलाने, सुत्री लता कोर्राम जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 7 द्वारा उा स्वास्थ्य केन्द्र धौड़ाई में 1 चिकित्सक उपलब्ध कराने, सुन्द्र करंगा एवं अन्य 4 ग्राम छोटेसुहनार द्वारा ग्राम पंचायत नेलवाड़ के सचिव से भुगतान दिलवाने, सरपंच एवं अन्य ग्राम वासी ग्राम पंचायत सुलेंगा धौड़ाई हल्बा समाज के सामाजिक भवन निर्माण के लिए जमीन आबंटित करने एवं गोंडवाना समाज भवन निर्माण के लिए जमीन आबंटित करने, कुमारी स्वीटी ग्राम छोटेडोंगर द्वारा डीएमएफ एनआरसी छोटेडोंगर बंद होने, तियारी राम भेड़िया एवं अन्य 2 ग्राम बेलगांव द्वारा विकासखण्ड ओरछा सेक्शन में मलेरिया दवाई अल्फासाइ प्रमेथील छिड़काव, सरपंच ग्राम पंचायत महिमागवाड़ी क्षतिग्रस्त पूर्व माध्यमिक शाला भवन को हटाकर नवीन शाला भवन स्वीकृति प्रदान करने, प्रवीण गोलछा पार्षद वार्ड 12 माडिन देवी द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला कुम्हारपारा में प्रधानध्यापक या सहायक शिक्षक पदस्थ कराने एवं मशीन समस्या हेतु तथा श्रीमती मुन्नी पटेल ग्राम महिमागवाड़ी द्वारा महतारी वंदन हेतु आवेदन के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने गंभीरतापूर्वक सभी आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही करने के लिए ग्रामीणों को भरोसा दिलाया।

माँ दंतेश्वरी कॉरिडोर में ''आरसेटी बाजार'' का आयोजन

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

विगत दिवस मां दन्तेवष्वरी मंदिर प्रांगण में आरसेटी बाजार का आयोजन किया गया था। जिसमें अगरबत्ती, धूप बत्ती, मच्छर अगरबत्ती, साबुन, हैंडवाश का प्रदर्शनी कर विक्रय किया गया। ज्ञात हो कि भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) दंतेवाड़ा द्वारा 12 दिवसीय घरेलू अगरबत्ती निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। जिसमें जिले के विभिन्न ग्राम के महिलाओं ने इस प्रशिक्षण का लाभ उठाया। प्रशिक्षण के दौरान कई प्रकार के सुगंधित अगरबत्ती, धूपबत्ती, मच्छर अगरबत्ती, एवं साबुन, वाशिंग पाउडर बनाने हेतु प्रशिक्षण प्रदाय किया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं में आत्मनिर्भर एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उत्साहित नजर आई। उक्त प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर पंकज कुमार साहू द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को अपने उत्पाद को विक्रय किये जाने, संस्थान के डायरेक्टर एम. आर. राजू ने महिलाओं को सफल उद्यमी बनने हेतु बैंकिंग सम्बंधित जानकारी, बैंक से लोन प्राप्त कर व्यवसाय को बढ़ाने, के संबंध में जानकारी दिया।

आम आदमी पार्टी का आरोप : फर्जी मुठभेड़ में गई महेश कुड़ियाम की जान

- मामले में न्यायिक जांच का गठन,मुआवजा और नौकरी की मांग
- महेश की मौत एक फर्जी मुठभेड़ है, वह कोई माओवादी नहीं था- अधिवक्ता I प्रियंका शुक्ला, अध्यक्ष, जांच समिति

बीजापुर/मूक पत्रिका

आम आदमी पार्टी के जांच दल ने बीजापुर के इरपागुट्टा जाकर महेश कुड़ियाम की पत्नी सुमित्रा कुड़ियाम और उनके 07 बच्चों सहित गांव वालो से मुलाकात की और मामले में तथ्यों को इकट्ठा किया कर प्रेसवार्ता किया गया।

जांच समिति अध्यक्ष प्रियंका शुक्ला ने बताया कि मृतक महेश कुड़ियाम की पत्नी सुमित्रा ने जांच दल को बताया कि 6 जुन को जब महेश अपने भैसा को ढूंढने के लिए गांव में पास के जंगल तरफ गया था, लेकिन वापस नहीं आया, जिस पर गांव वालो ने सब जगह ढूंढा लेकिन नहीं मिला।उसके पश्चात 7 जुन को भी ढूंढा गया लेकिन नहीं मिला, उसी दिन पटनम से लौट रहे एक व्यक्ति मेटा दिनेश नामक युवक की गांव वालो से मुलाकात हुई, और दिनेश ने बताया कि किसी व्यक्ति को पुलिस वालो ने हाथ बांधकर रखे देखा था।इसके बाद गांव वाले 8 जून को बीजापुर थाने आए, तब वहा पर पूछताछ करने से फेटो दिखाया गया, जिसमें पुष्टि हुई कि महेश को मार दिया गया है, और उसको नक्सली बताया गया है। इसके बाद वही पर महेश की बॉडी परिजनों और गांव वालो को दे दी गई।इस पूरे मामले गांव वालो से, परिवार वालों से, स्कूल वालो से बातचीत जांच में यह तथ्य सामने आया और सबने एक ही सुर में यह बात बार बार दोहराई कि महेश कुड़ियाम नक्सली न था, और न कभी पहल भी शामिल हुआ।

महेश के बारे में सबका यही कहना है कि वो एक आम जीवन जीने वाला आदिवासी किसान था,और उस दिन भी वो अपने रोज का काम करते में भैसा ढूंढने गया था और फिर वापस नहीं आया।

महेश 2023 से रसोइए का काम स्कूल में कर रहा था , लोगो में महेश को ईमानदार और अच्छा काम करने वाला बताया है।

इसके अलावा हमारे द्वारा महेश और उसके पत्नी के समस्त दस्तावेज जिसमें आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक अकाउंट, आदि दस्तावेज देखने से भी प्राथमिकता से देखने से यह दर्शित हो रहा है कि वो एक आम जीवन गांव में व्यतीत कर रहा था, और उसके खाते में हर माह वेतन भी आया है।

महेश के सात बच्चे में सबसे बड़ा बच्चा 12 वर्ष के आस पास का है और सबसे छोटा बच्चा 6 माह का है, प्रत्येक बच्चों में 2 साल, एक साल के आस पास का अंतर है, ऐसे में जिसके 07 बच्चे है, उसका एक लाख का इनामी माओवादी कहलाना समझ से परे है।

ऐसे में सरकार को चाहिए कि मामले में संज्ञान लेकर कार्यवाही करे, क्योंकि यही वो जिला है जहां सारकेगुडा और एड्समेटा गांव में हुआ फर्जी एनकाउंटर का घटना भी हम सबके सामने है, उस घटना का तो रिटायर्ड जस्टिस वी के अग्रवाल के नेतृत्व में हुई थी और वो जांच रिपोर्ट भी आज सबके सामने है, जिसमें यह बात निकलकर आई कि सारकेगुडा और एड्समेटा मुठभेड़ फर्जी थी, उसमें समस्त आम आदिवासी किसान नागरिक मारे गए थे, उसमें कोई भी नक्सली नहीं था।

उक्त सारकेगुडा एवं एड्समेटा की घटना से सबक लेकर और अपनी पूर्व की रमन सरकार से ही सीख लेकर , वर्तमान की विष्णुदेव साय की सरकार को चाहिए कि मामले में न्यायिक जांच आयोग का गठन करें।

उक्त जांच दल में जांच समिति की अध्यक्ष एवं अधिवक्ता प्रियंका शुक्ला (प्रदेश उपाध्यक्ष) बल्लू भवानी (प्रदेश उपाध्यक्ष)समीर खान (प्रदेश संगठन मंत्री) मिथिलेश बघेल (प्रदेश अध्यक महिला विंग)नरेंद्र नाग (लोकसभा अध्यक, बस्तर) अनिल दुर्गम (जिला अध्यक्ष, बीजापुर) सतीश मंडावी (जिला सचिव, बीजापुर)राकेश कश्यप (ब्लॉक अध्यक्ष) संदीप गोटा (ब्लॉक अध्यक्ष) उपस्थित रहे।

नेपाल अगस्त में ऑस्ट्रेलिया में जाकर खेलेगा टॉप एंड टी20 सीरीज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि ऑस्ट्रेलिया के डारविन में 14 से 24 अगस्त के बीच होने वाली टॉप एंड टी20 सीरीज में वह चार में से एक अंतर्राष्ट्रीय टीम होगी। नेपाल के लिए ये सीरीज 2026 टी20 विश्व कप में जगह बनाने की तैयारी के तौर पर बड़ी भूमिका अदा कर सकती है। 2026 टी20 विश्व कप में अभी भी तीन स्थान खाली हैं, ये विश्व कप अगले साल भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाना है। आईसीसी टी20 विश्व कप क्वालिफायर्स अक्टूबर में ओमान में आयोजित किया जाएगा, जिसके जरिए नेपाल के पास विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने का मौका होगा। नेपाल अगस्त की शुरुआत में डारविन पहुंच जाएगी, जहां उन्हें कम से कम छह टी20 मुकाबले खेलने हैं। ये सभी मैच कैजली एरेना के स्टेडियम में खेले जाएंगे।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ नेपाल (सीएएन) के सचिव पारस खड़का ने कहा, टॉप एंड सीरीज में शिरकत करते हुए हम काफी उत्साहित हैं। इससे हमें खुद को प्रतिस्पर्धी माहौल में तैयार करने के लिए बड़ी मदद मिलेगी। हमारा लक्ष्य इस सीरीज के जरिए खुद को इस तरह तैयार करने पर है ताकि 2026 टी20 विश्व कप के लिए हमें क्वालिफाई करने में मदद मिल सके।

एशिया कप भारत में, लेकिन पाकिस्तान यहां नहीं खेलेगा

भारत भी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं गया था; 10 सितंबर से हो सकता है टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप होने को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद अब धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में होने वाला एशिया कप 10 सितंबर से शुरू हो सकता है। हालांकि, एशियन क्रिकेट काउंसिल ने इस पर अब तक कुछ भी नहीं कहा है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल यानी दूसरे देश में खेले जाएंगे। ऐसे में न्यूट्रल वेन्यू UAE हो सकता है। इससे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण टूर्नामेंट पर सवाल उठ रहे थे। फरवरी में हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भारत के सभी मैच UAE में खेले गए थे।

बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपनः

तन्वी और आयुष ने उलटफेर के साथ किया फाइनल में प्रवेश

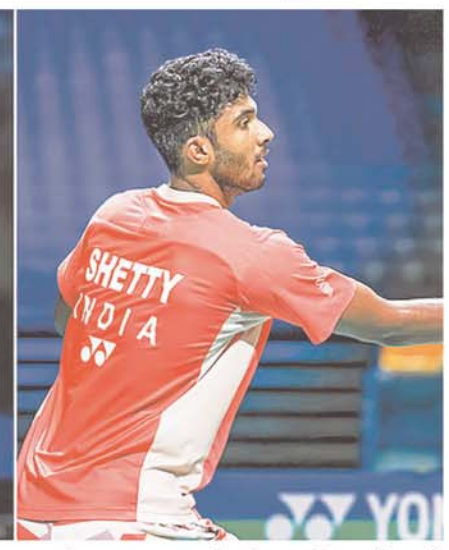

काउंसिल ब्लफ्स, एजेंसी। बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को मात दी। उनके अलावा 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-6 खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को शिकस्त देकर अपने करियर के सबसे बड़े फाइनल में जगह बना ली है। दोनों ही खिलाड़ी बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन के अपने-अपने फाइनल में पहुंच गए हैं। महिला सिंगल इवेंट में तन्वी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-40 खिलाड़ी बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराकर मुकाबले को 34 मिनट में अपने नाम कर लिया।

वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-66 तन्वी शर्मा ने मई में डेनमार्क चैलेंज जीता था। वह पिछले साल ओडिशा मास्टर्स में सुपर 100 फाइनल में पहुंची थीं। बाई ने अपने एक्स पोस्ट में तन्वी की तारीफ करते हुए लिखा, वह जाल बिछाती हैं, और उसमें सबसे बेहतरीन भी फंस जाते हैं। हमारी टीन टाइटन समझदार, होशियार, साहसी हैं। वह सधे हुए शॉट्स और बेखौफ खेल से हर रैली में दिल जीत रही हैं! गुवाहाटी में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेने वाली तन्वी अब समिट क्लैश में चीन की विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी बेइवेन झांग से भिड़ेंगी। वहीं, दूसरी ओर विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने ताइपे ओपन 2025 के सेमीफाइनल में चोउ से मिली हार का बदला चुकता किया। पहले गेम में मिली करीबी हार के बाद उन्होंने चोउ को 21-23, 21-15, 21-14 से हराया। अब फाइनल में शेट्टी का सामना ब्रायन यांग से होगा, जिन्होंने लियाओ झूओ फू पर 21-10, 21-12 से आसान जीत दर्ज की है। शेट्टी की नजरें अपने पहले वर्ल्ड टूर खिताब जीतने पर होंगी, क्योंकि यांग पर उनका रिकॉर्ड 2-0 है। बीडब्ल्यूएफ ने एक्स पर लिखा, 16 वर्षीय तन्वी शर्मा और 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन-2025 के सेमीफाइनल में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

इससे पहले, तन्वी ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पिचामोन ओपटनीपुथ को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराया था, जो दुनिया की 58वें नंबर की खिलाड़ी हैं। वह 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन भी हैं। दूसरी ओर, आयुष ने पुरुष एकल के राउंड ऑफ 16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली पर 21-12, 13-21, 21-15 से कड़ी टक्कर में दर्ज की, जो दुनिया में 54वें नंबर के खिलाड़ी हैं।

स्मृति मंधाना सभी प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए पहले टी20 मैच में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। वह हरमनप्रीत कौर के बाद टी20 शतक बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला भी बन गई हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में मंधाना ने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवरों में 210/5 का विशाल स्कोर बनाया। यह टी 20 मैचों में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम का शीर्ष स्कोर है। भारतीय टीम ने 14.5 ओवर में इंग्लैंड को 113 रन पर समेट कर मैच 97 रन से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मंधाना नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर के सिर में चोट लगने की वजह से इस मैच में कप्तान भी थी।

मंधाना के टी 20 करियर पर नजर डालें तो 149 मैचों में एक शतक और 30 अर्धशतक की मदद से 3,873 रन बनाए हैं। मंधाना भारत की तरफ से टी 20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। वहीं, ओवरऑल न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के बाद दूसरे नंबर पर हैं। हरमनप्रीत कौर भारत की तरफ से दूसरे और ओवरऑल तीसरे स्थान पर हैं। 102 वनडे मैचों में 11 शतक और 31 अर्धशतक की मदद से मंधाना ने 4,473 रन बनाए हैं। वहीं सात टेस्ट मैचों में दो शतक की बदौलत उन्होंने 629 रन बनाए हैं। मंधाना ने 2024 में वनडे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले साल उन्होंने चार वनडे शतक लगाए। किसी अन्य महिला बल्लेबाज ने एक साल में तीन से अधिक शतक नहीं लगाए हैं। इस प्रदर्शन की बदौलत मंधाना को आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। वहीं आईसीसी की महिला वनडे टीम ऑफ द ईयर में भी शामिल किया गया। जून 2018 में बीसीसीआई ने मंधाना को सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर के पुरस्कार से सम्मानित किया था।

लॉर्ड्स अच्छा है, लेकिन...

रवि शास्त्री ने WTC फाइनल के लिए नए मैदान की सिफारिश की

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने नए मैदान की सिफारिश की है। शास्त्री ने कहा कि इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट के विकास के लिए एक आदर्श स्थल बना हुआ है, हालांकि एकमात्र मैच बाद में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्थलों पर खेला जा सकता है।

पिछले छह वर्षों में लगातार तीन WTC फाइनल इंग्लैंड के तीन अलग-अलग स्टेडियमों में खेला गया है। साउथेम्प्टन के रोज बाउल ने उद्घाटन फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड की मेजबानी की। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने ओवल में WTC 2023 का फाइनल भारत के खिलाफ जीता। इस महीने की शुरुआत में ट्रॉफी लंदन लौटी जिसमें प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक शानदार मैच में प्रोटियाज ने टेम्बा बावुमा की कप्तानी में 27 साल के ICC ट्रॉफी सूखे को समाप्त किया।

लंदन में होने वाले इस आयोजन में लंबे प्रारूप के लिए तटस्थ क्रिकेट प्रेमी भीड़ जुटती रहती है, लेकिन शास्त्री को लगता है कि भविष्य में पर्याप्त दर्शक मिलने के बाद चैंपियनशिप का फाइनल भारत के नरेंद्र मोदी स्टेडियम और ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड जैसे विशाल स्टेडियमों में आयोजित किया जा सकता है।

विजडन क्रिकेट पॉडकास्ट में शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि शुरुआत में अगर यह यहीं (लॉर्ड्स) हो तो अच्छा रहेगा। एक बार जब इसे वह लोकप्रियता और प्रशंसा मिल जाए जिसके यह हकदार है, तो इसे स्थानांतरित किया जा सकता है। लेकिन मुझे लगता है कि एमसीजी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा, अहमदाबाद WTC फाइनल के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। मूल रूप से, ऐसी जगहें जहां आप भीड़ जुटा सकते हैं। क्योंकि लॉर्ड्स 100,000 सीटों वाला स्टेडियम नहीं है। इसलिए चाहे कोई भी टीम खेल रही हो, आपको पता है कि आपको अच्छी भीड़ मिलेगी। हाल की रिपोर्टों ने सुझाव दिया है कि इंग्लैंड अगले दो चक्रों में भी WTC फाइनल का घर हो सकता है जिसका फाइनल 2029 और 2031 में होना तय है। ICC के फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के अनुसार 2027 WTC फाइनल भी लॉर्ड्स में आयोजित किया जाना तय किया गया है। WTC 2027 की मेजबानी के लिए BCCI की बोली को हाल ही में खारिज कर दिया गया था, क्योंकि तटस्थ टेस्ट को लगातार समर्थन देने के लिए इंग्लैंड को तरजीह दी गई थी।

मैं खाली मैदान को निहारता रहा लेकिन...

रोहित शर्मा ने सुनाया टी-20 वर्ल्डकप जीत का किस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। 29 जून 2024 को भारत ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर 11 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा किया था. अब इस महाजीत के ठीक एक साल बाद रोहित शर्मा ने उस ऐतिहासिक जीत से पहले की भावनाओं और दबाव को लेकर अपने दिल की बात साझा की है.

रोहित बोले - मैं रात भर सो नहीं सका - रोहित शर्मा ने कहा कि तेरह साल लंबा समय होता है. कई खिलाड़ियों का तो इतना लंबा करियर भी नहीं होता. मैंने पिछली बार 2007 में वर्ल्ड कप जीता था. इसलिए मेरे लिए इससे बड़ा कुछ हो ही नहीं सकता था. मैं रातभर सो नहीं पाया. बस वर्ल्ड कप के बारे में ही सोचता रहा. मैं इतना नर्वस था कि मेरे पैरों में जान नहीं थी. अंदर से बहुत कुछ चल रहा था, हालांकि मैं बाहर नहीं दिखाता. हमें सुबह 8:30 या 9 बजे निकलना था, लेकिन मैं 7 बजे उठ गया.

रोहित शर्मा ने कहा कि मेरे कमरे से मैदान दिख रहा था और मैं बस उसे निहारता रहा. मैंने खुद से कहा, दो घंटे में मैं वहां खेल रहा होऊंगा, और चार घंटे में सब कुछ तय हो जाएगा. या तो कप हमारे पास होगाज या नहीं. 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था. ऐसे में रोहित शर्मा पर वर्ल्ड कप जीतने का ज़बरदस्त दबाव था. 38 वर्षीय रोहित के लिए यह कप्तान के तौर पर पहली ICC ट्रॉफी थी. वह 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं. 2024 के इस वो कैच मैच का टर्निंग पॉइंट थाः रोहित शर्मा फाइनल में हेनरिक क्लासेन ने 23 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत की मुश्किलें बढ़ा दी थीं. आखिरी पांच ओवरों में दक्षिण अफ्रीका को सिर्फ 30 रन चाहिए थे और डेविड मिलर क्रीज़ पर मौजूद थे. तभी सूर्यकुमार यादव ने लंबी सीमा रेखा पर एक हैरतअंगेज़ कैच लेकर मिलर को आउट किया और भारत को वापसी का मौका मिला. रोहित ने कहा कि मैं लॉन्ग ऑन पर था और वो कैचज सच कहूं तो वही मैच का पल था. ऐसा लग रहा था कि गेंद छक्के के लिए जा रही है, लेकिन तभी सूर्या हवा में उड़े और कैच पकड़ लिया. हवा भी गेंद को थोड़ा पीछे खींच लाई होगी. थर्ड अंपायर का फैसला आने तक सबकी सांसें रुकी थीं. बता दें कि भारत की जीत के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी-20 से संन्यास की घोषणा की. कोहली को फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था. तीनों खिलाड़ियों ने इस ऐतिहासिक जीत के साथ इस प्रारूप को अलविदा कहा ।

छक्का लगाते ही हो गई बल्लेबाज की मौत, खेल के मैदान पर ली आखिरी सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल के मैदान में कई बार खिलाड़ियों की मौत की दुखद खबर देखने को मिलती है। पंजाब के फिरोजपुर स्थित क्रिकेट मैच के दौरान भी ऐसी ही कुछ देखने को मिला जब बल्लेबाज की छक्का लगाते ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक छक्का लगाने के तुरंत बाद खिलाड़ी को हार्ट अटैक आ गया जिस कारण उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

घटना एक निजी स्कूल के ग्राउंड की है और मरने वाले खिलाड़ी का नाम हरजीत सिंह बताया जा रहा है। इस घटना का वीडियो साथ खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों ने कैमरे में कैद कर लिया था। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक बॉल पर सिक्सर शॉट खेलता है। छक्का लगाने के बाद खिलाड़ी क्रीज पर ही बैठ जाता है जिसके बाद नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज भी उसके साथ आकर बैठता है। इस दौरान स्टाइकर जमीन पर गिर जाता है और सभी साथी खिलाड़ी दौड़कर उसे देखते हैं।

अंपायर के खिलाफ आवाज उठाना पड़ा महंगा

वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी को ICC ने सुनाई सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया 180 पर ढेर हो गई थी, वेस्टइंडीज भी 190 रन ही बना पाई थी. उन्होंने 10 रन की बढ़त हासिल की, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 310 रन बनाकर लक्ष्य 301 रनों का दिया. वेस्टइंडीज 141 रनों पर ऑल आउट हो गई. मैच में अंपायर के कई फैसले विवादित रहें, जो अधिकतर मेजबान के विरोध में गए. इससे नाराज कोच डैरेन सैमी ने अंपायर का नाम लेकर फैसलों पर सवाल उठाए थे. वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया पहले टेस्ट में थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक थे, उनके 5 फैसले विवादित रहे और इनमें से 4 वेस्टइंडीज के खिलाफ गए. कोच डैरेन सैमी ने प्रेस कांफ्रेंस में नाम लेकर थर्ड अंपायर के फैसलों पर आपत्ति जताई थी. इसके बाद आईसीसी ने उनको सजा सुनाई.

डैरेन सैमी ने क्या कहा - सैमी ने प्रेस कांफ्रेंस में अंपायर का नाम लेकर कहा था कि ऐसे गलत फैसलों की वजह से मैच हमारे खिलाफ गया. उन्होंने कहा कि क्या इस टीम के खिलाफ कुछ है? जब एक के बाद एक ऐसे गलत फैसले देखते हो तो सवाल तो उठेंगे ही. उनके आलावा कप्तान रॉस्टन चेज ने भी सवाल उठाए थे.

ICC ने लगाया जुर्माना -आईसीसी ने डैरेन सैमी पर डिमेरिट अंक जोड़ा और मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माने के रूप में काटा. वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडेन सील्स पर भी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा. उन्होंने पैट कमिंस को आउट करने के बाद कुछ इशारे किए थे, इस कारण उन्हें सजा दी गई. वेस्टइंडीज के कप्तान रॉस्टन चेज ने भी अंपायर के फैसलों पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि खिलाड़ियों को गलत करने पर सजा मिलती है लेकिन अंपायर के साथ कुछ भी नहीं होता. दरअसल एक फैसला चेज के खिलाफ भी गया था. टेस्ट के दूसरे दिन पैट कमिंस ने उन्हें एलबीडबल्यू आउट किय, लेकिन उन्होंने इस पर DRS ले लिया. अल्ट्रा एज में दिखा कि जब गेंद बल्ले के पास थी तो कुछ स्पाइक है, लेकिन थर्ड अंपायर ने उन्हें आउट ही दिया.

इंडिया-इंग्लैंड

श्रेयस की टेस्ट टीम में वापसी अभी इन खिलाड़ियों की वजह से संभव नहीं, पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने गिनाए नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जब भारतीय टीम का ऐलान किया गया था तब उसमें श्रेयस अय्यर का नाम नहीं था। श्रेयस को घरेलू स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह नहीं दी गई थी। श्रेयस के चयन पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि उनका प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन फिलहाल टीम में जगह खाली नहीं थी।

भारतीय मध्यक्रम में है कड़ी प्रतिस्पर्धा - अब श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह क्यों नहीं दी गई इसको लेकर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है और इसकी वजह से श्रेयस का इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में चुने जाने की संभावना काफी कम थी। आकाश चोपड़ा का मानना है कि सरफराज खान और ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी भी अभी मौके के इंतजार में हैं और इसलिए श्रेयस को अभी टेस्ट टीम में वापसी के लिए इंतजार करना होगा।

श्रेयस को करना होगा सही मौके का इंतजार - आकाश चोपड़ा ने श्रेयस अय्यर के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी बल्लेबाजी समस्या नहीं है। उन्हें टेस्ट टीम में तुरंत मौका नहीं मिलेगा और उन्हें सही मौके का इंतजार करना होगा। वह इंग्लैंड दौरे के लिए भी टीम में जगह नहीं बना पाते क्योंकि अभी कई दूसरे खिलाड़ी कतार में हैं और उन्हें अभी तक मौके नहीं मिले हैं। आकाश ने कहा कि करुण नायर ने अभी-अभी वापसी की है और सरफराज खान को कोई मौका नहीं दिया जा रहा है। ध्रुव जुरेल बाहर बैठे हैं। अगर पहले से ही टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों को मौका नहीं दिया जा रहा है तो श्रेयस को मौका कैसे मिल सकता है।

- *श्रेयस को धैर्य रखने की जरूरत - आकाश चोपड़ा ने यह भी माना कि श्रेयस अय्यर ने पिछले दिनों घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उन्हें धैर्य रखना चाहिए और टेस्ट क्रिकेट में अपने मौके का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि उनका प्रथम श्रेणी सीजन और आईपीएल 2025 काफी अच्छा रहा जिसमें उन्होंने पंजाब किंग्स को अपनी कप्तानी में फाइनल तक पहुंचाया। उन्होंने व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें टेस्ट में भी मौका मिलेगा। उन्हें बस थोड़ा और धैर्य रखना होगा।*

जिले में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक संपन्न

कार्यों की गुणवत्ता और समय सीमा पर कलेक्टर सख्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ग्रामीण अंचलों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के उद्देश्य से संचालित जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा हेतु जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक बीते सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित दिशा सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर रणबीर शर्मा ने की। बैठक में अपर कलेक्टर अनिल बाजपेयी,कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी जगदीश प्रसाद गौड़,उपसंचालक जनसम्पर्क शशिरत्न पाराशर, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता चन्द्रशेखर शिवहरे, एसडीओ पीएचई संतोष नायक, पीएचई विभाग के ब्लॉक अधिकारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, ठेकेदार एवं अन्य संबंधित सदस्य उपस्थित थे। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत

चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कार्यों की अद्यतन स्थिति, निविदा प्रक्रिया, निर्माण की प्रगति एवं लक्ष्य की पूर्ति की जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। कलेक्टर ने समय-सीमा से पीछे चल रहे निर्माण कार्यों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि आगामी बैठक तक सभी अपूर्ण कार्यों को हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने 9 माह से अधिक विलंब करने वाली निर्माण एजेंसियों पर कड़ी कार्यवाही करने के संकेत दिए। कहा सतत निगरानी रखी जाए । कार्यालय कार्यपालन अभियंता एवं सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन जगदीश प्रसाद गौड़ ने अवगत कराया कि जल जीवन मिशन के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे चरणबद्ध रूप से पूर्ण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मिशन के अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की निविदा प्रक्रिया, सामग्री आपूर्ति एवं कार्य प्रगति पर सतत निगरानी रखी जा रही है।

*कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही, लापरवाही या गुणवत्ता में कमी न हो। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण जनता की बुनियादी ज़रूरतों से जुड़ी है, अतः कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण हो।

*बैठक में सभी अधिकारियों को पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने की समझाइश दी गई। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन राज्य और केंद्र सरकार की प्राथमिकता में है, अतः इसके कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।

जिला स्तरीय शैक्षिक समीक्षा बैठक संपन्न, विद्यार्थियों व खिलाड़ियों का हुआ सम्मान, उल्लास साक्षरता अभियान पर विशेष जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

टाउन हॉल बेमेतरा में बीते सोमवार को जिले के समस्त हाई एवं हायर सेकंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, संकुल एवं स्रोत समन्वयकों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार संपन्न हुई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर रणबीर शर्मा उपस्थित रहे। कलेक्टर शर्मा ने वर्ष 2025 की हाई व हायर सेकंडरी परीक्षा में राज्य प्रावीण्य सूची एवं जिले के टॉप टेन में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारण अत्यंत आवश्यक है, और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं ईमानदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सफलता केवल परीक्षा परिणाम से नहीं, बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास से मिलती है। विद्यार्थियों को उन्होंने खेलकूद, नैतिक शिक्षा एवं रचनात्मकता की ओर भी प्रेरित किया। कलेक्टर शर्मा ने ÷उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान÷ की विस्तृत जानकारी देते हुए उसके बिंदुवार क्रियान्वयन के लिए प्रेरित किया तथा उपस्थित जनों को उल्लास शपथ दिलाई। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. कमल कपूर बंजारे ने बैठक में शाला प्रवेश उत्सव, पाठ्यपुस्तक वितरण, स्कैनिंग, गणवेश व सायकल वितरण, ÷एक पेड़ माँ के नाम÷, विद्युत देयकों का भुगतान, विद्यालय परिसरों की साफ-सफाई, रंग-रोगन व गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए कार्ययोजना सहित परीक्षा परिणामों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बैठक में सहायक परियोजना अधिकारी सुनील कुमार झा, प्रोग्रामर नेहिल वर्मा एवं चंदन देव ने समग्र शिक्षा, यू-डाईस अद्यतीकरण, शाला अनुदान, आईसीटी ट्रेनिंग, व्यावसायिक शिक्षा, पाठ्यपुस्तक स्कैनिंग तथा सामग्री की गुणवत्ता निरीक्षण जैसे विषयों पर प्रस्तुति दी। वरिष्ठ प्राचार्य एस.पी. कौशले एवं एस.एस. ठाकुर ने विद्यालयीन गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अनिल बाजपेयी, एसडीएम प्रकाश भारद्वाज, सहायक परियोजना समन्वयक धनंजय शर्मा सहित जिले के चारों विकासखंडों के शिक्षा अधिकारी, स्रोत समन्वयक एवं समस्त प्राचार्यगण उपस्थित थे।

प्रदीप यादव बने अभाविप के कोरिया विभाग संयोजक

सुरजपुर/मूक पत्रिका

अभाविप छत्तीसगढ़ प्रांत की प्रांत अभ्यास वर्ग 27 जून से 29 जून तक मां महामाया की पावन भूमि अम्बिकापुर हरीमंगलम भवन में सम्पन्न हुआ जिसमें पूरे प्रांत भर से अभाविप के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया था, जिसमें सूरजपुर जिले के जिला संयोजक प्रदीप यादव को कोरिया विभाग संयोजक की जिम्मेदारी मिली। अभ्यास वर्ग के दौरान कार्यकर्ताओं को सत्रों के माध्यम से अभाविप की गतिविधि एवं राष्ट्र पुनर्निर्माण में आज के विद्यार्थी किस प्रकार से अपनी भूमिका निभा सकते है, इसकी पूरी जानकारी विस्तार से सभी को अवगत कराया गया द्य इसके पश्चात

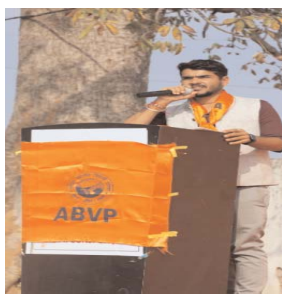

कार्यक्रम के अंतिम दिन समापन समारोह में प्रांत की कार्यकारणी घोषणा की जिसमें सूरजपुर जिला के सक्रिय कार्यकर्ता प्रदीप यादव कोरिया विभाग के विभाग संयोजक एवं प्रतापपुर की छात्रा कार्यकर्ता रेशमी सिंह को कोरिया विभाग की विभाग छात्रा प्रमुख, कोरिया जिला के संयोजक केशव राजवाड़े तथा भैयाथान इकाई के विकाश ठाकुर को सूरजपुर जिला के जिला संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई द्य प्रदीप यादव सूरजपुर जिले के सक्रिय कार्यकर्ता है इन्होंने छात्रों के समस्याओं के समाधान के लिए कई आंदोलन किए है तथा पूर्व में प्रतापपुर इकाई के नगरमंत्री सूरजपुर जिला के जिला संयोजक जैसे दायित्वों का निर्वहन किया है, जिस कार्य को देखते हुए उनको कोरिया विभाग के विभाग संयोजक जैसे महत्वपूर्ण एवं बड़ी जिम्मेदारी दिया गया। प्रदीप यादव ने बताया कि संगठन ने जो मुझ पर भरोसा करके इतने बड़े और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपा है उसको मैं पुरी ईमानदारी और निष्ठा से से निर्वहन करुंगा और छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पूरे सूरजपुर जिला और कोरिया जिला में छात्र हित का काम करुंगा और संगठन कार्य को मजबूती दुंगा।

पद्मश्री डा.सुरेन्द्र दुबे को दिया गया श्रद्धांजलि

बेमेतरा के प्रमुख चौक का नाम उनके नाम से नामकरण करने और प्रतिमूर्ति स्थापित करने की मांग, जिसको सहमति दिया गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति बेमेतरा और आरूग चौरा के संयुक्त आव्हान पर अंतर्राष्ट्रीय हास्य व्यंग्य कवि पद्मश्री डा.सुरेन्द्र दुबे को गांधी भवन बेमेतरा में श्रद्धांजलि दिया गया छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति बेमेतरा के अध्यक्ष और गीतकार गोकुल बंजारे चंदन ने समिति का प्रस्तावना पढ़ते हुए कहा कि दुबे हमेशा हंसमुख और मिलनसार रहे हैं आज उनका इस तरह जाना साहित्य जगत की अपूर्ण छती है। उक्त समिति के प्रदेश सचिव और बेमेतरा के हास्य व्यंग्य कवि रामानन्द त्रिपाठी ने कहा कि दुबे जी हमेशा मुझे किसी बात पर सीख देते रहे तो कभी मुझसे ही सलाह लेते थे, वे हमेशा मुझे छोटे भाई की तरह मानते थे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते थे।उनकी हर आदेश मुझे आज याद आ रहा है जिसे मैं कभी भूल नहीं सकता। त्रिपाठी ने उपस्थित समस्त साहित्यकारों एवं जनप्रतिनिधियों के संयुक्त हस्ताक्षर युक्त एक आवेदन बनाकर बेमेतरा विधायक दीपेश साहु, कलेक्टर बेमेतरा और नगर पालिका के अध्यक्ष विजय सिन्हा को दिये जिसमे दुबे को सच्ची श्रद्धांजलि देने हेतु उनके नाम पर प्रमुख चौंक चौराहे का नामकरण और प्रतिमा स्थापित करने को कहे जिसको बेमेतरा नगर पालिका अध्यक्ष ने सहर्ष स्वीकार करते हुए बोले कि पद्मश्री डा. सुरेन्द्र दुबे बेमेतरा की आन बान और शान है उनकी प्रतिभा साहित्यक क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ ही नहीं विश्व के पटल पर अंकित हो गया है और जनता जनार्दन की मंशा को हम स्वीकार करते हैं और आने वाले नगर पालिका के बैठक मे उक्त मांग को प्रस्तावित कर लिया जायेगा इस बात का आश्वासन दिये।भा.ज.पा.जिला अध्यक्ष अजय साहु ने कहा कि दुबे का सहसा इस तरह चले जाना हम सभी के लिए पीड़ा दायक है उसकी कमी हमेशा हम सभी को रहेगी।भा.ज.पा.प्रदेश मंत्री और पूर्व विधायक बेमेतरा अवधेश चंदेल ने कहा कि दुनिया को हंसाने वाले आज हमे रूला के चले गये दुबे जी भले ही चले गये पर वो हमेशा हमारे दिल पर रहेंगे हम उन्हें कभी नहीं भूल सकते।बेमेतरा भा.ज.पा.के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश जोशी ने कहा कि दुबे जब कभी भी मंचों पर खड़े हो जाते तो तालियां अपने आप बजना शुरू हो जाता था श्रोतागण घंटों तक हंसी नहीं रोक पाते थे समय का पता ही नहीं चल पाता था उनका इस तरह चले जाना हम सभी हतप्रभ हैं।भा.ज.पा.प्रदेश कार्यकरिणी सदस्य राजेन्द्र शर्मा,किसान नेता और वरिष्ठ भाजपा नेता अजय शर्मा, राजेश दत्त दुबे,पत्रकार जितेन्द्र शुक्ला,पार्षद द्वय विकास तम्बोली और नीतु कोठारी समाजिक कार्यकर्ता ताराचंद माहेश्वरी,शत्रुघ्न साहु, वरिष्ठ साहित्यकार दिनेश गौतम,मोहित राम वर्मा, दुर्गा शंकर चतुर्वेदी कलाकार भगवान सिंह राजपूत,अभ्भन सेन सहित अनेकों साहित्यकारों और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए विचार रखे।

जनपद सदस्य पवन कर्मा ने ग्राम पंचायत मासौडी में पालक बैठक में हुए शामिल

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत मासोडी में बीते सोमवार को पालक बैठक में उपस्थित हुए एव जनपद पंचायत सदस्य पवन कर्मा द्वारा बच्चों के माता- पिता से चर्चा किया गया कि बच्चों को स्कूल भेजा करे, स्कूल में जो भोजन बनता है उसकी गुणवत्ता समिति द्वारा चेक किया जाए और अधिक से अधिक बच्चों को स्कूल भेजने के लिए निवेदन किया गया । साथ में स्कूल में बच्चों को पुस्तक गणवेश सारी सामान शासन द्वारा निशुल्क दिया जा रहा है। इस अवसर पर क्षेत्र जनपद सदस्य पवन कुमार कर्मा, बच्चों के माता-पिता, शिक्षकगण उपस्थित रहे।

प्रधान पाठक अश्वनी कुमार बैनर्जी का सेवा जीवन पूर्ण 41 वर्ष 11 माह 25 दिन की प्रेरणास्पद यात्रा का समापन

बेमेतरा/खण्डसरा /मूक पत्रिका

बीते सोमवार को शासकीय प्राथमिक शाला खंडसरा के प्रधान पाठक अश्वनी कुमार बैनर्जी आज शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने 41 वर्ष 11 माह 25 दिन तक निष्ठा, अनुशासन और समर्पण भाव से शिक्षक पद की गरिमा को निभाया। श्री बैनर्जी की शैक्षिक यात्रा वर्ष 1983 में शुरू हुई, जब उनकी पहली नियुक्ति शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मोहरेंगा (विकासखंड व जिला बेमेतरा) में हुई। वहाँ उन्होंने दो वर्ष तक सेवाएं दीं। इसके पश्चात बी. टी. आई. बेमेतरा में वर्ष 1985 से 1987 तक शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के उपरांत, वे 1 जुलाई 1987 से 1992 तक शासकीय

शाला घनाडीह में नियुक्त रहे। इसके बाद उन्होंने 1993 में एक वर्ष तक प्राथमिक शाला चमारी में अध्यापन किया। 9 जुलाई 1994 से 13 अगस्त 1998 तक वे खंडसरा शाला में पदस्थ रहे। तत्पश्चात 14 अगस्त 1998 को उन्हें पदोन्नति प्राप्त हुई और वे प्राथमिक शाला अतरिया में प्रधान पाठक के रूप में पदस्थ हुए। 1 अक्टूबर 2003 से 30 जून 2025 तक उन्होंने पुनः खंडसरा शाला में प्रधान पाठक के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान वे विद्यालय के संचालन, शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन और समयबद्धता के प्रतीक बने रहे। उनकी पहचान एक अनुशासित शिक्षक, समयनिष्ठ प्रशासक और प्रेरणादायक मार्गदर्शक के रूप में रही। विद्यार्थियों को उन्होंने हमेशा समय का महत्व और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी। सेवा निवृत्ति के इस अवसर पर विद्यालय परिवार, स्थानीयजन, शिक्षाकर्मी व छात्र-छात्राओं ने उन्हें भावभीनी विदाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। ÷शिक्षक केवल ज्ञान नहीं, चरित्र भी गढ़ता है ङ्क अश्वनी बैनर्जी इसका जीवंत उदाहरण हैं।÷

बस स्टैंड का निरीक्षण कर यात्रियों से मिले कलेक्टर रणबीर शर्मा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बीते सोमवार को बेमेतरा के बस स्टैंड निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान शर्मा ने बस यात्रियों से सीधे संवाद कर उनसे किराया, यात्रा अनुभव और सुविधाओं की जानकारी ली।

*उन्होंने यात्रियों से फीडबैक लेकर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि बस स्टैंड में पेयजल, शौचालय, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, सुरक्षा और प्रकाश की व्यवस्था सुचारु रूप से हो। कलेक्टर शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिसर में साफ-सफाई को प्राथमिकता दी जाए तथा नियमित रूप से स्वच्छता की निगरानी की जाए। उन्होंने मोहभट्ठा से निकालने वाले बायपास का निरीक्षण किया । वह गार्डन भी देखा जिसका कुछ हिस्सा बायपास में जाएगा ।

*कलेक्टर ने कहा कि बस स्टैंड का उद्देश्य यात्रियों को आधुनिक और सुविधाजनक परिवहन अनुभव देना है। उन्होंने बारिश के पानी निकासी पर बल दिया । निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष नगर पालिका विजय सिन्हा, ने हाईटेक बस स्टैंड की बात की इसके लिए कुछ जगहों पर भी चर्चा की । मौके पर अपर कलेक्टर अनिल बाजपेयी,एसडीएम प्रकाश भारद्वाज, नगर पालिका अधिकारी कोमल संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक दीपेश साहू ने अमरूद का पौधा लगाकर दिया पर्यावरण सरंक्षण का संदेश

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ज़िले की ग्राम पंचायत कंतेली की ओर से बीते सोमवार को ÷एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में विधायक साहू ने अमरूद का पौधा रोपित कर हरियाली को अपनाने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा,मां और प्रकृति का रिश्ता बेहद आत्मिक होता है – मां जीवन देती है, और पेड़ स्वच्छ हवा, फल और छाया देकर हमारे जीवन को सुरक्षित बनाते हैं। यह अभियान बच्चों के भविष्य को सुरक्षित, हरा-भरा और स्वास्थ्यप्रद बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है।÷

विधायक दीपेश साहू ने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि जल संरक्षण और पर्यावरणीय चेतना को जन आंदोलन में बदलने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने ग्रामीणजनों से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़ें और अधिक से अधिक पौधारोपण कर धरती को हरा-भरा बनाने में योगदान दें। इस अवसर पर कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच महावीर वर्मा, रेवा राम निषाद, धर्मेंद्र साहू, उप-सरपंच नीलू का, चम्पेश्वर वर्मा, परस वैष्णव, कंतेली सोसायटी अध्यक्ष भागीरथी साहू, टोप सिंह वर्मा, ओम नारायण वर्मा, यशवंत वर्मा, देवेन्द्र वर्मा, दुर्गेश चौहान, अर्जुन साहू, रतु सेन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।